दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 173
मुरादाबाद
(Tuesday)
13 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

तृतीयं चन्द्रघण्टेति

'ओम ऐं ह्रीं क्लीं चन्द्रघंटायै नमः'

चन्द्रमा हमारे मन का प्रतीक है। मन का अपना ही उतार चढ़ाव लगा रहता है। प्रायः हम अपने मन से ही उलझते रहते हैं – सभी नकारात्मक विचार हमारे मन में आते हैं, ईर्ष्या आती है, घृणा आती है और आप उनसे छुटकारा पाने के लिए और अपने मन को स्वच्छ करने के लिए संघर्ष करते हैं। इससे कुछ नहीं होने वाला। आप अपने मन से छुटकारा नहीं पा सकते। आप कहीं भी भाग जाएँ, चाहे हिमालय पर ही क्यों न भाग जाएँ, आपका मन आपके साथ ही भागेगा। यह आपकी छाया समान है।जैसे ही हमारे मन में नकरात्मक भाव व विचार आते हैं तो हम निरुत्साहित और अशांत महसूस करते हैं। हम विभिन्न तरीकों से इनसे पीछा छुड़ाने की कोशिश करते हैं पर यह मात्र कुछ समय के लिए ही काम करता है। कुछ समय पश्चात वही विचार फिर हमें घेर लेते हैं और वापस वहीं पहुँच जाते हैं जहाँ से हमने शुरुआत की थी। अतः इन विचारों से पीछा छुड़ाने के संघर्ष में न फँसे। 'चंद्र' हमारी बदलती हुई भावनाओं, विचारों का प्रतीक है (ठीक वैसे ही जैसे चन्द्रमा घटता व बढ़ता रहता है)। 'घंटा' का अर्थ है जैसे मंदिर के घण्टे-घड़ियाल। आप मंदिर के घण्टे-घड़ियाल को किसी भी प्रकार बजाएँ, उसमे से एक ही ध्वनि आती है। इसी प्रकार एक अस्तव्यस्त मन जो विभिन्न विचारों, भावों में उलझा रहता है, जब एकाग्र होकर ईश्वर के प्रति समर्पित हो जाता है, तब ऊपर उठती हुई दैवीय शक्ति का उदय होता है – और यही चन्द्रघण्टा का अर्थ है। एक ऐसी स्थिति जिस में हमारा अस्तव्यस्त मन एकाग्रचित्त हो जाता है; अपने मन से भागे नहीं क्योंकि यह मन एक प्रकार से दैवीय रूप का प्रतीक या अभिव्यक्ति है। यही दैवीय रूप दुःख, विपत्ति, भूख और यहाँ तक कि शान्ति में भी उपस्थित है। इसका सार यह है कि सबको एक साथ लेकर चलें – चाहे खुशी हो या दुःख – सब विचारों, भावनाओं को एकत्रित करते हुए एक विशाल घण्टे-घड़ियाल के नाद की तरह। देवी के इस नाम 'चन्द्रघण्टा' का यही अर्थ है और तृतीय नवरात्रि के उपलक्ष्य में इसे मनाया जाता है।

सीएम योगी बोले- देश में अराजकता का माहौल बना रही है कांग्रेस, हारने पर हर बार दोषी होती है ईवीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को यह समझना चाहिए कि जनता उन्हें हर बार क्यों ठुकरा रही है। 1985 के बाद से यूपी में कांग्रेस फिर नहीं आ पाई। यूपी की जनता ने कांग्रेस को 41 वर्ष पहले ही विदा कर दिया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पिछले कई दिनों से देश की राजधानी दिल्ली में लगातार देखा जा रहा है कि कांग्रेस व इंडिया गठबंधन न केवल आम जन को परेशान, बल्कि अव्यवस्था व अराजकता पैदा कर देश की संवैधानिक संस्थाओं को भी कठघरे में खड़ा करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। पहचान का संकट खड़ा करने और भ्रष्ट मंसूबों के कारण कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अपनी साख पूरी तरह खो चुके हैं और उनके इस गैर-राजनीतिक व्यवहार को देश की जनता भली-भांति देख रही है। चुनाव जीते तो पुरुषार्थ और हारने पर ईवीएम दोषी-इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों से बातचीत में सीएम योगी ने कहा, आश्चर्य है कि चुनाव जीतने पर इनका पुरुषार्थ और हारने पर ईवीएम और इलेक्शन कमीशन दोषी हो जाता है। न्यायालय अगर मेरिट के आधार पर कोई फैसला देता है, तो माननीय न्यायालय को भी कठघरे में खड़ा करने का कुत्सित प्रयास किया जाता है। तमाम प्रकार की धमकियां देने का प्रयास होता है। ऐसे ही तमाम अन्य संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करना, गाली-गलौच करना और अव्यवस्था फैलाना कांग्रेस की नियति का हिस्सा बन चुका है।मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व को यह समझना चाहिए कि जनता उन्हें हर बार क्यों ठुकरा रही है। 1985 के बाद से यूपी में कांग्रेस फिर नहीं आ पाई। यूपी की जनता ने कांग्रेस को 41 वर्ष पहले ही विदा कर दिया था। देश के अन्य राज्यों में भी लोगों का कांग्रेस से मोहभंग हो चुका है और वे इससे मुक्ति पा चुके हैं। कांग्रेस के लोगों को चाहिए कि वे अपने अकर्मण्य, भ्रष्टाचारी और जनता का विश्वास खो चुके नेतृत्व को बदलें। भारत में अराजकता न फैलाने और भारत की संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने का कुत्सित प्रयास न करें।सीएम योगी ने कहा कि भारत की जनता लोकतांत्रिक दृष्टि से बड़ी जागरूक है। वह इस अराजकता को स्वीकार नहीं करेगी। ऐसा नहीं है कि जनता बहुत दिनों और बहुत देर तक यह सब बर्दाश्त करेगी। अगर कांग्रेस व उनके सहयोगी दलों ने अपने असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक कृत्य बंद नहीं किए तो उन्हें बचा-खुचा जनाधार भी गंवाना पड़ेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस देश में अराजकता फैलाने से बाज आए। जनता-जनार्दन और युवाओं को गुमराह करने से बाज आए। मेरिट के आधार पर और मुद्दों पर चर्चा कर के स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा बने। यह देश के लोकतंत्र और जनता के हित में भी होगा

फसल प्रभावित नौ लाख किसानों को 493 करोड़ की मिली राहत, सीएम योगी बोले- नुकसान की भरपाई होगी

किसानों के सामने फसल बर्बाद होने के कारण आर्थिक संकट खड़ा हो गया था। सरकार से मिली मदद से उनके नुकसान की कुछ भरपाई हो सकेगी। साथ ही अगली फसल की तैयारी के लिए जरूरी संसाधन जुटाने में भी सहायता मिलेगीमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर में बाढ़, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि एवं चक्रवात से प्रभावित कृषकों को कृषि निवेश अनुदान राशि के रूप में डीबीटी के माध्यम से 493 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक सप्ताह में प्रदेश में बड़े पैमाने पर फसल को नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर जनहानि और पशुहानि भी हुई है। डबल इंजन की सरकार ने मात्र 8 से 10 दिन के अंदर अपने अन्नदाता किसानों को फसल, मकान और पशुधन की क्षति का मुआवजा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री ने 2017 के पहले की सपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि तब बिजली नहीं आती थी, लेकिन बिल आता था। अब स्थिति बदल गई है। अब अन्नदाता किसान का बिल नहीं आता, बल्कि बिजली आती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के 9,18,091 कृषकों के खातों में 493 करोड़ रुपये सीधे भेजे जा रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अन्नदाता किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। इस वर्ष केवल बरसात के दौरान ही अब तक प्रदेश के आपदा प्रभावित किसानों और नागरिकों को लगभग 1,000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जा चुके हैं।सीएम ने कहा कि अतिवृष्टि, चक्रवात और बाढ़ से जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1.20 लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराई गई है। यह राशि 493 करोड़ रुपये की फसल क्षति सहायता में शामिल नहीं है, बल्कि अलग से दी जा रही है। जिन लोगों के मकान पूरी तरह बह गए या नष्ट हो गए, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत तत्काल आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए भी नियमानुसार मुआवजा दिया जा रहा है। पशुहानि के मामलों में भी सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। कोई जनहानि होती है तो संबंधित परिवार को 24 घंटे के अंदर चार लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के आधार पर जिन जनपदों की सर्वे रिपोर्ट सरकार को मिली, वहां किसानों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई गई है। यह राशि सीधे अन्नदाता किसान के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से पहुंच रही है। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि सहायता राशि में कोई बिचौलिया न हो और पैसा सीधे किसान तक पहुंचे। अगर किसान को 25 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत हुई, तो सीधे उसके खाते में पूरे 25 हजार रुपये ही जाएंगे।कभी 100 में से 15 रुपये ही पहुंचते थे जरूरतमंद तक- सीएम ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय राजीव गांधी ने स्वयं कहा था कि सरकार 100 रुपये भेजती है, लेकिन जमीन पर पहुंचते-पहुंचते केवल 15 रुपये बचते हैं। कांग्रेस व सपा के लोग बीच में ही पैसा खा जाते थे। अब प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री द्वारा दी जाने वाली सहायता सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंचती है। बीच में कोई बिचौलिया सेंधमारी नहीं कर सकता। आज 493 करोड़ रुपये अन्नदाता किसानों को मुआवजे के रूप में दिए जा रहे हैं, ताकि उन्हें संकट की घड़ी में राहत मिल सके। सरकार किसानों के साथ हमेशा खड़ी है और हर प्रकार का सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।हुदहुद चक्रवात पर केंद्रीय सहायता के 3200 करोड़ में सिर्फ 800 करोड़ मिले थे किसानों को-मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में हुदहुद चक्रवात के दौरान फसल को भारी नुकसान हुआ था। भारत सरकार ने उस समय 3,200 करोड़ रुपये भेजे थे, लेकिन किसानों तक केवल 800 करोड़ रुपये ही पहुंच पाए। शेष राशि किसानों तक नहीं पहुंची। 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने हुदहुद चक्रवात में किसानों को मिली सहायता की स्थिति की जांच कराई तो पता चला कि पूरा पैसा किसानों तक पहुंचा ही नहीं था। इसके बाद अलग से धनराशि की व्यवस्था कर प्रभावित किसानों को सहायता उपलब्ध कराई गई। सपा ने किसानों का पैसा खाया, किसानों का श्राप उसको ले डूबा। विपक्ष समाज को जाति के नाम पर बांटने का प्रयास करता है, लेकिन जनता का पैसा नहीं बांटता। बाढ़ से कटान रोकने और सड़कों की मरम्मत के लिए पर्याप्त धन- सीएम ने प्रशासन को निर्देश दिया कि जहां बाढ़ के कारण कटान हुई है और जहां अब भी अतिवृष्टि की शिकायतें आ रही हैं, वहां तत्काल राहत और बचाव कार्य किए जाएं। बाढ़ से बचाव के लिए तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त मार्गों और बाधित आवागमन को तत्काल चालू किया जाए। इसके लिए धनराशि जारी की जा चुकी है। आपदा, अतिवृष्टि या चक्रवात के कारण सड़क अथवा अन्य किसी प्रकार की क्षति होने पर धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। सिंचाई विभाग को कटान रोकने के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध कराया गया है। पीडब्ल्यूडी, नगर विकास, आवास और विकास प्राधिकरणों को भी क्षतिग्रस्त सड़कों और अन्य मरम्मत के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है। जैसे ही मौसम साफ हो, तत्काल काम शुरू कराया जाए और आवागमन में किसी प्रकार की बाधा नहीं होनी चाहिए।आकाशीय बिजली से बचाव के लिए अर्ली वार्निंग सिस्टम-मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने आपदा से बचाव के लिए अर्ली वार्निंग वेदर सिस्टम विकसित करने पर भी काम किया है। पहले आकाशीय बिजली गिरने से बड़ी संख्या में जनहानि होती थी।

केरलम विधानसभा में सीईसी पर घमासानः ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए प्रस्ताव पारित

केरलम विधानसभा में चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की गई। वहीं, भाजपा के तीन सदस्यों ने प्रस्ताव का विरोध किया।केरलम विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया गया। इसमें चुनाव आयोग के कामकाज पर लगे आरोपों के कारण मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले पैनल में बदलाव की मांग की गई। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन की ओर से पेश किया गया प्रस्ताव संशोधनों के साथ पारित हो गया। हालांकि तीन भाजपा सदस्यों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। सीएम ने प्रस्ताव पेश किया- केरलम के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने सोमवार को यह प्रस्ताव पेश किया। इसमें मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं पर चिंता जताई गई थी। इन अनियमितताओं में बिना किसी स्पष्ट नियम या पूर्व सूचना के योग्य मतदाताओं के नाम हटाए जाने की बात भी शामिल थी।आरोप लगाया गया कि रिविजन प्रक्रिया में तकनीकी हेरफेर और अनियमितताओं के कारण हाशिए पर रहने वाले समुदायों, अल्पसंख्यकों, प्रवासी श्रमिकों और युवा मतदाताओं के वोटिंग अधिकार छिनने का खतरा है। प्रस्ताव में मीडिया रिपोर्टों का भी हवाला दिया गया, जिनमें आरोप लगाया गया था कि चुनाव आयोग ने सॉफ्टवेयर सिस्टम के ज़रिए मतदाता सूची तैयार करने वाले इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स की शक्तियों को कम कर दिया है। इसके साथ ही मौजूदा नियमों के खिलाफ जाकर फॉर्म 6 में संशोधन किया है। जिक्र किया गया जिनमें कहा गया था कि आयोग के ज्यादातर सदस्यों ने इन कदमों पर असहमति जताई थी। सुधारात्मक कदम उठाने की मांग करते हुए, प्रस्ताव में चुनाव आयोग से कहा गया कि वह कथित अनियमितताओं को ठीक करे और उन सभी योग्य नागरिकों के वोट देने के अधिकार बहाल करे जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे। प्रस्ताव में क्या मांग की गई है? इसमें कहा गया कि एक संवैधानिक संस्था के तौर पर चुनाव आयोग को निष्पक्ष और सरकार के प्रभाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए।

नरेंद्र मोदी डरते क्यों हैं?: सीजेपी ने प्रधानमंत्री पर कसा तंज, दिपके बोले- पूरा देश बनेगा जंतर-मंतर

जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल की मान्यता नहीं देने पर सीजेपी ने सरकार पर निशाना साधा है। वहीं, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने सरकार पर उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया है। देश की राजधानी दिल्ली में विरोध प्रदर्शन और धरना देने की जगह एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। दिल्ली पुलिस के नए आदेश के मुताबिक, ऐतिहासिक जंतर-मंतर को अब निर्धारित प्रदर्शन स्थल के रूप में मान्यता नहीं दी गई है। इसकी जगह रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी मैदान को प्रदर्शन के लिए वैकल्पिक स्थलों के तौर पर तय किया गया है। दिल्ली पुलिस के इस फैसले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके और सह संयोजक सौरव दास ने सरकार पर निशाना साधा है। अब पूरा देश जंतर-मंतर बनेगा- जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाए जाने के फैसले पर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। दिपके ने इस फैसले पर तंज कसते हुए कहा कि जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन की तय जगह के तौर पर हटा दिया गया है। हां, अब यह विरोध-प्रदर्शन की जगह नहीं रही, क्योंकि वैसे भी उस कायर तानाशाह ने इसे युद्ध का मैदान बना दिया था। अब पूरा देश जंतर-मंतर बनेगा। दिपके ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कथित तानाशाही के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए नागरिकों के खिलाफ सख्त रुख अपना रही है। आखिर ज्ञानेश कुमार प्रधानमंत्री मोदी के लिए इतने जरूरी क्यों हैं कि उनके बचाव में सरकार और पुलिस को देश के नागरिकों से टकराव की स्थिति में आना पड़ रहा है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी दिपके ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं, पत्रकारों और यहां तक कि सांसदों के साथ भी पुलिस मारपीट कर रही है। में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को टैग करते हुए सरकार पर अपने ही देश के लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया।

इंडिया ब्लॉक के नेताओं का हल्लाबोल

चुनाव आयोग में कथित अनियमितता को लेकर विपक्ष लामबंद दिख रहा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के साथ दिल्ली में आंदोलन हो रहा है। आज विपक्षी दलों के गठबंधन-इंडिया ब्लॉक के नेताओं के मार्च, विरोध प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने व्यापक बंदोबस्त किए हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व किया। यह विरोध प्रदर्शन दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान सीईसी ज्ञानेश कुमार को लेकर विपक्ष के विरोध के बीच रेवंत रेड्डी की अगुवाई में यह कार्यक्रम हुआ समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली रवाना होने से पहले आरोप लगाया कि भाजपा अब भी फर्जी वोट बनवा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरा होने के बाद भी बड़ी संख्या में दोहरे वोट मौजूद हैं।

संपादकीय Editorial

"We Will Do It"

Prime Minister Modi has set a milestone in public life by remaining in power for 25 consecutive years. Before becoming Prime Minister, he served as Chief Minister of Gujarat for 13 consecutive years. Now, as Prime Minister of the country, he has created history by serving 4,518 consecutive days (until October 8, 2026). This is undoubtedly an extraordinary achievement. It is also a testament to the strength of India's democracy and public opinion that a single person is being given the mandate for the highest executive role. Let's not dwarf this by raising the issue of "vote theft." Now, Prime Minister Modi will be mentioned in the pages of history, but interpretations may vary. Even after the 2024 mandate, he has been Prime Minister for 2 years and 4 months. More than two and a half years remain in his term. This means that Prime Minister Modi will be India's longest-serving Prime Minister, and it is now certain. On this occasion, he gave the nation a new slogan: "We will do it." This slogan is a new version of "Good days will come." Before the 2014 Lok Sabha elections, the proclamation and call for "good days" awakened new hopes, new aspirations, and new expectations. As a result, under Modi's leadership, the BJP received a historic mandate of 282 seats for the first time. In political history, the BJP single-handedly achieved a majority. Millions of Indians may have experienced "good days," but millions still consider them a period of devastation. Even Prime Minister Modi's staunchest opponents and critics agree that these 12 years and four months have also proven to be an "economic and cultural mandate" for India. India no longer faces binary options, divisions, or bases. If there is Antyodaya, there is also Digital India. If poverty still exists, more than 250 million Indians have come out of poverty.

This fact is also acknowledged by the World Bank, IMF, and international rating agencies. Prime Minister Modi has more or less proven wrong the fears and apprehensions that international investors had about India's Hindutva, nativist, narrow-minded, and exploitative mindset. India is not a one-sided or communal country; as a result, today our foreign exchange reserves exceed $750 billion. Now, with a new slogan, Prime Minister Modi is calling for a "developed India by 2047." Twenty-one long years remain. In politics, this period is uncertain. The Prime Minister has roared and enthused the crowd, "We will do it," with promises of becoming the third-largest economy, a global manufacturing hub, entering space, hosting the Olympics, and so on. India has been the world's fourth-largest economy, and clamors of third place have been circulating for a long time. The Prime Minister has made similar claims during elections. The reality is that we have slipped from fourth to sixth place. The economies of the United States and China are so vast and widespread that India cannot even imagine challenging us. Even the developed economies of Germany and Japan are ahead of us. There are multifold differences in per capita income alone. If India's GDP grows by $1 trillion, Germany will grow by $2 trillion. Even today, it is more than $1 trillion ahead of us. In any case, India will not surpass Germany by 2030; these are estimates from international institutions and agencies. India is not currently a manufacturing hub even in Asia. China holds this status. Becoming "global" is merely a rhetoric. The recent decline in the manufacturing sector and its declining contribution to Indian GDP are worrying facts. "We will do it" cannot be achieved solely on the basis of a few calls and initiatives from the Prime Minister.

TN Seshan and Gyanesh Kumar: The identity changed during one's tenure, why are questions raised during the other's tenure?

TN Seshan is the 10th Chief Election Commissioner, and Gyanesh Kumar is the 26th. Seshan demonstrated the power of the CEC to the nation, while during Gyanesh Kumar's tenure, questions are being raised about the use and decisions of that position. Seshan transformed the electoral landscape, from curbing booth capturing, rigging, and electoral violence to implementing the Code of Conduct. Today, there are controversies surrounding the SIR, voter lists, and the Commission's decision-making process. The post of Chief Election Commissioner in India came into existence with the enactment of the Constitution. It had both powers and responsibilities. But who among the common voters was aware of the power of this position? Nine Chief Election Commissioners had held this position before Seshan, but their names did not become part of common political discourse. TN Seshan, who became the 10th Chief Election Commissioner of the country on December 12, 1990, changed the landscape. He positioned the Election Commission as an influential constitutional body overseeing the electoral system, rather than merely conducting elections. The Commission's official documents also highlight the rigorous implementation of the Model Code of Conduct and the expanded role of election observers during his tenure. This was the period when the country learned that the Chief Election Commissioner could, if he so desired, even force political parties to comply with electoral rules. Controlling booth capturing and violence in Bihar - Seshan's tenure came at a time when muscle power, booth capturing, fraudulent voting, and violence were major issues in elections. The Bihar elections, in particular, were notorious nationwide. Seshan refused to accept these compulsions of the electoral system. During his tenure, steps such as postponing or canceling voting were taken where there was a serious threat of rigging. Security was strengthened, and oversight of the election process was increased.

Seshan's message was clear: no matter how powerful the booth-capturer, the Election Commission possessed a greater constitutional power. This was why Seshan's name was not confined to the Election Commission office. He became a topic of discussion from the village voter to the corridors of power in Delhi. Taking the Model Code of Conduct from paper to the field - Nowadays, whenever elections approach, discussion of the Model Code of Conduct is commonplace. But Seshan's era played a major role in making it a real force in electoral politics. According to the Commission's official records, Seshan's strategy was to strictly enforce the code of conduct and widely publicize it. Increased monitoring of everything from the misuse of government machinery to election campaigning practices. Leaders and candidates learned that being in power during elections does not give them the right to be above the rules. Restrictions on convoys and vehicles - Seshan's strictness was not limited to major constitutional issues. Efforts were made to bring the entire culture of election campaigning within the ambit of regulations. Monitoring of candidates' expenditure, use of vehicles, and misuse of government resources in election campaigning increased.

The detailed rules regarding the use of vehicles on polling day that we see today also gained political acceptance during that period. The question was: should elections be the same for poor and ordinary candidates as for candidates from major political parties and those with financial power? Seshan's response was evident through action.

Photo ID Cards and Election Observers - Seshan's tenure also saw a decisive initiative toward photo voter ID cards to prevent fraudulent voting. Initially, this was opposed, but later, photo ID cards became a crucial part of the electoral system. Similarly, the role of election observers was strengthened. official history, the role of observers expanded in an effort to ensure free and fair elections, and in 1996, they were granted statutory status. Seshan's legacy was not merely that of a "tough officer." He sought to ground the Election Commission's institutional capacity. Then, the 26th CEC, Gyanesh Kumar, came into the spotlight - after nearly three decades, the post of Chief Election Commissioner is once again at the center of national debate. Gyanesh Kumar is the country's 26th CEC. But this time, the story is different. The biggest controversy during his tenure arose over the Special Intensive Revision (SIR). Purifying the voter list and removing ineligible or incorrect names is part of the Election Commission's responsibility. However, serious questions arose regarding the SIR process, the addition and deletion of names, the documentation requirements for new voters, and the Commission's decision-making process.

An Indian Express investigation in September 2026 claimed that Election Commissioners Sukhbir Singh Sandhu and Vivek Joshi had filed written objections to the Commission's decisions at least 14 times in the previous ten months. The report also mentioned questions related to the addition of new voters, deletion of names, and voter data.From Form-6 to SIR Controversy: One of the most prominent controversies involved the new Form-6, used to add new voters. According to the report, questions related to SIR were added to it, seeking information regarding the names of the applicant, parents, or grandparents in the old electoral roll. Both Election Commissioners objected to this, calling it illegal and unauthorized. The controversy here wasn't just about the form. The question became how simple the voter registration process should be, and how far can the Election Commission alter the administrative process? The Commission's side is also in front but the other side of the picture is equally important.The Election Commission did not deny the existence of these objections, but stated that differing opinions are part of the decision-making process and that all the Commission's decisions over the past year were taken unanimously. Therefore, it would not be appropriate to present these allegations as final conclusions. The real test of the dispute is now taking place at the legal and institutional level.

On October 5, 2026, the Supreme Court issued a notice in the matter related to the functioning of CEC Gyanesh Kumar and the SIR. The petitioners alleged that some key decisions were taken without the consent of other Election Commissioners; however, the court did not immediately accept the demand for the CEC's removal or suspension.During Seshan's tenure, the question was how powerful the Commission was. This is where the biggest difference between the two CECs' stories emerges.

During Seshan's tenure, the question was whether the Election Commission could effectively rein in political parties and governments. He demonstrated the Commission's strength by taking action against booth capturing, fraudulent voting, violence, violations of the code of conduct, and electoral irregularities.

During Gyanesh Kumar's tenure, the question has changed: how is the Commission exercising its immense power? The massive changes to the electoral rolls through the SIR, the process for new voters, and the objections lodged within the Commission have shifted the debate beyond electoral discipline to transparency, collective decision-making, and institutional trust.

One person identified the position with power, the other made headlines with their decisions—

This is the most interesting aspect of this entire comparison. Seshan brought the position of Chief Election Commissioner into the political lexicon of ordinary Indians. He demonstrated that the powers enshrined in the Constitution, if used rigorously, can transform the electoral system.

During the tenure of Gyanesh Kumar, the same position is again in the news, but the focus of the discussion is on the SIR, the electoral rolls, and the Commission's decision-making process. Therefore, the question is not Seshan versus Gyanesh, but rather the changing role of that position. Seshan demonstrated the power of the CEC; the tenure of Gyanesh Kumar has raised questions about the process and transparency of the use of that power.

Three decades ago, the debate was about how powerful the CEC could be. Today, the debate is about how that power is being used and how trust in it will be maintained. This difference brings TN Seshan and Gyanesh Kumar together in the discussion. One made the Election Commission the face of power, during the tenure of the other, the Election Commission itself became a topic of debate.

Monetary Policy Direction: RBI's Tightening on Inflation, Testing the Balance Between Growth and Prices

Amid global instability, inflation, and the risks of a weakening rupee, the Reserve Bank of India's (RBI) repo rate hike after nearly three and a half years is not just a simple change in interest rates, but also a clear signal of a shift in monetary policy direction in the coming months. At a time when the Indian economy, despite strong growth, is grappling with global instability, expensive crude oil, a weak rupee, and rising inflation risks, the Reserve Bank of India's (RBI) 25 basis point repo rate hike to 5.50% is not just a simple change in interest rates, but also a clear signal of a shift in monetary policy direction in the coming months. With this hike, after nearly three and a half years, the central bank has shifted its monetary policy stance from neutral to calibrated tightening. This means that a rate cut is unlikely in the near future. However, this does not mean that rates will be raised continuously; the next step will be determined based on data and circumstances. It is worth noting that the repo rate is the interest rate at which the Reserve Bank provides short-term funds to commercial banks. The rationale behind the central bank's decision to increase rates is that if banks receive higher-priced loans, they will lend more to people. This will discourage people from borrowing and lead to less spending. Reduced spending will reduce demand, thereby controlling inflation. Interestingly, the Reserve Bank has taken this decision at a time when it remains confident in the economy's growth potential.

क्लास में मैडम के हाथ में पानी का गिलास देख चिल्लाने और भागने लगा बच्चा, 24 घंटे बाद मौत

मुरादाबाद में रेबीज से कक्षा सात के छात्र की मौत हो गई। शनिवार की सुबह क्लास में छात्र को घुटन महसूस हुई थी। इस पर शिक्षिका पानी लेकर आईं तो छात्र अतुल भागने लगा था। परिवार वाले उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां परीक्षण के बाद चिकित्सक ने छात्र को रेबीज बताया। परिजन बच्चे को दिल्ली ले गए थे। रविवार को उसकी मौत हो गई।मुरादाबाद के बिलारी से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां कक्षा सात का छात्र अतुल रोजाना की तरह शनिवार की सुबह तैयार होकर स्कूल गया था। अभी जाकर क्लासरूम में बैठा ही था कि उसे घुटन सी महसूस हुई। उसने शिक्षिका को बताया तो उन्होंने एक पानी का गिलास उसकी तरफ बढ़ाया ही था कि वह डर से भागने और चिल्लाने लगा। इससे क्लास के बच्चे भी डर गए। तत्काल परिवार वालों को बुला लिया गया। सभी अतुल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सक ने परीक्षण करने के बाद उसमें रेबीज की पुष्टि की। परिवार वाले कुछ देर बाद ही दिल्ली ले गए जहां रविवार को उसकी मौत हो गई।बिलारी क्षेत्र के सतारन गांव निवासी राकेश का 14 वर्षीय बेटा अतुल गांव के ही परिषदीय स्कूल में कक्षा सात का छात्र था। रोजमर्रा की तरह ही शनिवार को सुबह को भी गांव के ही दूसरे विद्यार्थियों के साथ स्कूल गया था। वह क्लासरूम में अपने साथियों के साथ जाकर बैठ गया और पढ़ाई शुरू कर दी। क्लासरूम में मौजूद रहे उसके साथियों ने बताया कि वह बार-बार उठ रहा था। खींचकर सांस लेने की कोशिश कर रहा था। जब ज्यादा दिक्कत बढ़ी तो वह शिक्षामित्र विजय लक्ष्मी के पास पहुंचा और अपनी परेशानी बताई। शिक्षामित्र ने तत्काल पानी पिलाना चाहा तो वह पानी देखकर भागने और चीखने लगा।स्कूल की तरफ से तत्काल परिवार वालों को सूचना भिजवाई गई। सूचना मिलने पर अतुल की चाची रामश्री स्कूल पहुंचीं। शिक्षामित्र और चाची उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिलारी पहुंचीं। वहां अस्पताल के गेट पर लगी लोहे की ग्रिल पकड़कर अतुल चीखने लगा। उसे इस हालत में देखकर लोगों की भीड़ जुट गई। गंभीर हालत के कारण वहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल से परिवार वाले उसे दिल्ली ले गए थे, शिक्षामित्र विजय लक्ष्मी के मुताबिक वहां रविवार को छात्र की मौत हो गई। अतुल के परिवार में उसके पिता राकेश, मां फूलकुमारी और तीन भाई बेटे रवि, नागेश व दीपांशु हैं।

कुत्ते को रोटी खिलाते समय लगा था नाखून, अनदेखी से गई जान

अतुल की चाची रामश्री ने बताया कि अतुल अक्सर मोहल्ले में घूमने वाले कुत्तों को रोटी खिलाता था। करीब दो माह पहले एक कुत्ते को रोटी खिलाते समय नाखून अतुल की उंगली में लग गया था। सभी ने मामूली खरोंच समझी। एंटी रेबीज का टीका भी नहीं लगवाया।वहीं चिकित्साधीक्षक डॉ. राजपाल का कहना है कि परिजनों ने उन्हें नाखून लगने की नहीं कुत्ते के काटने की जानकारी दी थी शनिवार को अतुल के परिजन उसे सीएचसी लेकर पहुंचे तो उन्हें बता दिया गया था कि यह रेबीज के लक्षण हैं। हालत ज्यादा खराब होने के कारण उसे फौरन जिला अस्पताल भेज दिया गया था। यदि उसे समय पर वैक्सीन लगती तो यह स्थिति नहीं होती।- डॉ. राजपाल सिंह, चिकित्साधीक्षक, बिलारी

- ◆ कुत्ते के काटने या खरोंच लगने पर घाव को साबुन और बहते पानी से कम से कम 15 मिनट तक धोएं।
- ◆ त्वचा छिल गई हो, भले ही खून न निकला हो, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।
- ◆ डॉक्टर टीके की जरूरत बताएं तो एंटी रेबीज टीका जरूर लगवाएं।
- ◆ खून निकलने या गहरे घाव की स्थिति में टीके के साथ रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन की जरूरत भी पड़ सकती है।
- ◆ घाव पर मिर्च, तेल या अन्य घरेलू पदार्थ न लगाएं और टीकाकरण में देरी न करें।
- ◆ कुत्ता पालतू हो या आवारा, केवल उसके व्यवहार या दिखने से संक्रमण का खतरा खारिज न करें।

छात्र अतुल की मौत- कुत्ते का सिर्फ नाखून लगने से भी हो सकता है रेबीज, डॉक्टर बोले- जरूर लगवाएं वैक्सीन - कुत्ते का काटना ही नहीं, उसका नाखून लगने से त्वचा छिलना भी रेबीज के खतरे की वजह बन सकता है। ऐसे में मामूली खरोंच समझकर घाव को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। बिलारी निवासी छात्र अतुल (12) की मौत के मामले ने रेबीज को लेकर सतर्कता की जरूरत फिर सामने ला दी है। जिला अस्पताल में हर दिन कुत्ते के काटने के करीब 100 मामले पहुंच रहे हैं। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई जा रही है। कुत्तों के हमलों के साथ टीकाकरण की जरूरत बढ़ने से स्वास्थ्य विभाग पर आर्थिक बोझ भी पड़ रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि कुत्ते के नाखून से खरोंच लगने पर खतरा इस बात पर निर्भर करता है कि त्वचा कितनी छिली है और घाव में संक्रमित लार पहुंचने की आशंका है या नहीं। कुत्ते अपने पंजे चाटते हैं लेकिन केवल नाखून लगने से हर बार रेबीज नहीं होता। त्वचा छिलने पर संक्रमण की आशंका का आकलन जरूरी है। खून न निकलने पर भी खरोंच को हल्के में नहीं लेना चाहिए। समय पर टीका लगवाना संक्रमण से बचाव में अहम है। जिला अस्पताल में रोजाना कुत्ते के काटने के करीब 100 मामले आने का आंकड़ा समस्या की गंभीरता दिखाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी लोगों को एंटी रेबीज वैक्सीन दी जा रही है।निजी अस्पतालों में वैक्सीन की तीन से चार खुराक लगवाने पर करीब दो से पांच हजार रुपये तक खर्च हो सकते हैं। सरकारी अस्पतालों में टीकाकरण का खर्च स्वास्थ्य विभाग उठाता है। उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर कुत्तों के काटने के मामलों और वैक्सीन पर हर माह करीब 50 लाख रुपये खर्च होते हैं।एसआईसी डॉ. प्रदीप वार्ष्णेय का कहना है कि रेबीज की आशंका में देरी जानलेवा हो सकती है। इसलिए कुत्ते के काटने के साथ नाखून से खरोंच लगने पर भी वैक्सीन लगवाना जरूरी है। लक्षण सामने आने के बाद रेबीज लगभग हमेशा जानलेवा होता है, जबकि समय रहते बचाव के उपाय किए जा सकते हैं।

विधानसभा चुनाव की तैयारी: चार प्रतिशत ईवीएम के उपकरण खराब, इंजीनियरों की टीम कर रही जांच

विधानसभा चुनाव के लिए मुरादाबाद में ईवीएम और वीवीपैट की जांच के दौरान करीब तीन से चार प्रतिशत उपकरण खराब मिले हैं। कांठ रोड स्थित वेयरहाउस में भेल बंगलुरू के इंजीनियरों की टीम जांच कर रही है। अब तक 2800 सेट की जांच हो चुकी है, जबकि एक हजार सेट की जांच बाकी हैविधानसभा चुनाव में प्रयोग में लाई जाने वाली ईवीएम और उसके उपकरणों की जांच बंगलुरू की टीम कर रही है। जिले में जांच के दौरान चार प्रतिशत ईवीएम के उपकरण खराब पाए गए हैं। अभी एक हजार ईवीएम के सेट की जांच चल रही है। केंद्रीय चुनाव आयोग के निर्देश पर विधानसभा चुनाव में प्रयोग की जाने वाली ईवीएम एवं

वीवीपैट की जांच बंगलुरू स्थित भेल कंपनी के इंजीनियरों की एक टीम कांठ रोड वेयर हाउस में कर रही है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अभियंताओं की टीम ईवीएम, वीवीपैट की जांच कर रही हैं। जांच के दौरान 101 वीवीपैट, 125 कंट्रोल यूनिट (सीयू), 42 बैलेट यूनिट (बीयू) खराब पाई गई हैं। इस प्रकार 2972 बीयू ,3030 वीवीपैट और 3055 सीयू मशीन सही पाई गई हैं। एडीएम प्रशासन प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अभी 2800 सेट की जांच की गई है।जांच में करीब तीन से चार प्रतिशत उपकरण खराब पाए गए हैं। अभी एक हजार सेट की जांच चल रही है। जांच कार्य पूरा होने के बाद अभियंताओं की टीम अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। ईवीएम के खराब उपकरण हटा दिए जाएंगे। जांच के दौरान आयोग के निर्देश पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की मौजूदगी में मॉक पोलिंग भी कराई गई है।अभी तक किसी राजनीतिक दल ने ईवीएम को लेकर शिकायत नहीं की है। बता दें कि कुंदरकी विधानसभा उप चुनाव के बाद ईवीएम और वीवीपैट वेयरहाउस में रखे गए थे। इधर जिला प्रशासन ने चुनाव में प्रयुक्त होने वाले टेंट, दरी, बल्ली सहित अन्य सामानों के रेट का प्रस्ताव चुनाव आयोग को भेज दिया था लेकिन अभी इस मामले में आयोग से जिला प्रशासन को कोई जवाब नहीं मिला है।विधान परिषद चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मियों की ट्रेनिंग आज - शिक्षक विधान परिषद चुनाव की तैयारी तेजी के साथ चल रही है। इस मामले में जिला प्रशासन की तरफ से चुनाव ड्यूटी में तैनात होने वाले कर्मचारियों की ट्रेनिंग सोमवार को कांठ रोड स्थित चुनाव कार्यालय में कराई जाएगी। इस मामले में एडीएम प्रशासन प्रफुल्ल कुमार तिवारी का कहना है कि इसके पहले चार जोनल और 12 सेक्टर मजिस्ट्रेट की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है।

रामपुर के बिलासपुर में आयकर विभाग की रेड, कारोबारी रोहताश बत्रा और डॉ. दीपक छाबड़ा के आवास पर छापेमारी

तड़के पांच बजे 12 से 15 चार पहिया वाहनों से पहुंची विभागीय टीम, सुबह से दोपहर दो बजे तक चली पूछताछ रामपुर के बिलासपुर में आयकर विभाग ने कारोबारी रोहताश बत्रा और मेडिसिटी हॉस्पिटल के पूर्व मालिक डॉ. दीपक छाबड़ा के आवास पर छापेमारी की।

टीम तड़के पांच बजे पहुंची

और दोपहर तक पूछताछ जारी रही।

उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के बिलासपुर में आयकर विभाग की टीम ने कारोबारी रोहताश बत्रा और मेडिसिटी हॉस्पिटल के पूर्व मालिक डॉ. दीपक छाबड़ा के आवास पर छापेमारी की।

उत्तराखंड सीमा से सटी बत्रा कॉलोनी में सोमवार तड़के हुई इस कार्रवाई से इलाके में हलचल मच गई। जानकारी के मुताबिक, आयकर विभाग के अधिकारी सुबह करीब पांच बजे 12 से 15 चार पहिया वाहनों से मौके पर पहुंचे। इसके बाद टीम ने दोनों के आवास पर छापेमारी शुरू की। अधिकारियों ने सुबह से ही पूछताछ की प्रक्रिया शुरू कर दी, जो दोपहर करीब दो बजे तक जारी रही।फिलहाल छापेमारी के कारणों और कार्रवाई के दौरान क्या-क्या जानकारी सामने आई, इसे लेकर विस्तृत आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

नोटों की बरसात न करने पर जादूगर को लाठी-डंडों से पीटा, बैग छीनकर भगाया; 3 पर FIR दर्ज

उत्तराखंड के जादूगर फन्ने खां को नोटों की बरसात न करने पर ठाकुरद्वारा के फरीदनगर में पीटा गया, उनका बैग भी छीन लिया गया। पुलिस ने नाजिम, अफजाल और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ठाकुरद्वारा के फरीदनगर गांव की घटना, लाठी-डंडों से पीटने का लगाया आरोप नोटों की बरसात न कर पाने पर दबंगों ने उत्तराखंड के उधमसिंह नगर निवासी जादूगर फन्ने खां की पिटाई कर दी। इसके साथ ही आरोपितों ने उनका बैग छीनकर रखते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। मामले में पीड़ित जादूगर की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित फरीदनगर निवासी नाजिम, अफजाल व एक अज्ञात सहित तीन के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। उधम सिंह नगर के केलाखेड़ा निवासी फन्ने खां ने बताया कि, वह जादूगर है और जादू का खेल दिखाते हैं। उन्होंने बताया कि फरीदनगर गांव में रहने वाले आरोपित नाजिम ने जादू का खेल दिखाने के लिए उनकी बुकिंग की थी।इसके तहत वह शनिवार को जादू का खेल दिखाने फरीदनगर पहुंचे थे, जहां से आरोपित उन्हें अपने घर ले गया। इसी दौरान उनके घर पर आरोपित अफजाल और एक अज्ञात युवक भी आ गया। परिवार के सदस्यों के सामने उन्होंने हथकड़ी लगाकर उससे निकलने वाला खेल दिखाया। इसके अलावा कागज के टुकड़ों से फूल बनाने का खेल भी दिखाया। आरोप है कि आरोपितों ने उनसे नोटों की बरसात करने की बात कही। जिस पर उन्होंने मना कर दिया। आरोप है इस बात से नाराज होकर आरोपितों ने उनके साथ मारपीट कर दी। उन्हें लाठी डंडों से पीटा। चीखने पर उन्हें मुहल्लेवासियों ने बचाया। आरोपितों ने उनका बैग भी छीन लिया। मामले में पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ तहरीर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलीगढ़-मुरादाबाद ग्रीनफील्ड हाईवे: संभल के 53 गांवों का मांगा गया रिकॉर्ड, तेजी से शुरू होगा जमीन अधिग्रहण

अलीगढ़-मुरादाबाद ग्रीनफील्ड हाईवे के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया तेज हो गई है। संभल जिले के 53 गांवों के राजस्व रिकॉर्ड मांगे गए हैं ताकि आगे की कार्रवाई को गति दी जा सके।मुरादाबाद की खतौनियां मिलीं, अब भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज करने की तैयारीअलीगढ़-मुरादाबाद ग्रीनफील्ड हाईवे के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज करने की कवायद शुरू हो गई है। संभल जिले में परियोजना से प्रभावित 53 गांवों की खतौनियां उपलब्ध कराने के लिए विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी (एसएलओ) एवं सिटी मजिस्ट्रेट युवराज सिंह ने संभल और गुन्नौर तहसील के तहसीलदारों को पत्र भेजा है। दोनों तहसीलों से राजस्व अभिलेख मिलने के बाद उन्हें भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को उपलब्ध कराया जाएगा। करीब 115 किलोमीटर लंबे इस ग्रीनफील्ड हाईवे का निर्माण अलीगढ़ से मुरादाबाद के बीच किया जाना प्रस्तावित है।हाईवे को चार से छह लेन के एक्सेस कंट्रोल्ड कारिडोर के रूप में विकसित करने की योजना है। परियोजना का एलाइनमेंट संभल जिले से होकर गुजरना है। पहुंचकर राजस्व अभिलेख एकत्र करेंगे।इन्हें मुरादाबाद स्थित एसएलओ कार्यालय में जमा करेंगे। इन अभिलेखों के आधार पर परियोजना के लिए चिह्नित भूमि से संबंधित आगे की कार्रवाई को गति दी जा सकेगी। मुरादाबाद जिले से संबंधित खतौनियां प्राप्त हो चुकी हैं।अब संभल जिले के उन गांवों के अभिलेख जुटाए जा रहे हैं, जिनकी खतौनियां अभी उपलब्ध नहीं हुई हैं। इसके लिए संबंधित तहसीलदारों को पत्र भेजकर रिकार्ड उपलब्ध कराने को कहा गया है। राजस्व अभिलेख मिलने के बाद भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में आसानी होगी। अलीगढ़-मुरादाबाद ग्रीनफील्ड हाईवे को क्षेत्रीय सड़क संपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण है प्रस्तावित मार्ग संभल जिले से गुजरते हुए बुलंदशहर की ओर से अलीगढ़ पहुंचेगा। इसके गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़ने की योजना भी है। इससे मुरादाबाद और अलीगढ़ के बीच सीधा संपर्क बेहतर होने के साथ औद्योगिक गलियारे तक पहुंच आसान होने की उम्मीद है।संभल के तहसील गुन्नौर के यह गांव हैं शामिल-जिजोड़ा सैलाब, जिजोड़ा डांडा, भीकमपुर जागीर डांडा, तुमरिया खादर, कहरोला पट्टी शाकरी, कहरोला गर्वी, चाउपुर सैलाब, चाऊपुर डांडा, दुपटा कलां, भीकमपुर जैनी, चंदूनगला गांव शामिल हैं। साथ ही, रामपुर मोहकम, सिंघोली कल्लू, बहटकरन, एवजपुर, देवपुरा, जहानपुर, खगुपुरा, बरोरा, निजामपुर, भैंसरौली, मुटेना रतन कुंवर, मुतेना गिरधारी सिंह, हरूपुरा चेतसिंह, उदाइरनपुर खागी चेतसिंह, भवावाला, हरूपुरा हिम्मत सिंह, लहारा रतू और इकोना गांव शामिल हैं।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 ग्रा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक हैं

राज्यसभा सांसद चुनी गईं श्रुति गंगवार का व्यापारियों ने किया भव्य स्वागत, श्री राम की प्रतिमा भेंट कर दी बधाई

क्यूँ न लिखूँ सच /फतेहगंज पश्चिमी:- व्यापारियों ने श्रुति गंगवार को निर्विरोध राज्यसभा सांसद बनने पर श्री राम की प्रतिमा देकर सम्मानित कर उनके पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यपाल झारखंड संतोष गंगवार के नक्शे कदम पर चलकर बरेली का नाम रोशन करने की बात कही। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल के नेतृत्व में आज भारत सेवा ट्रस्ट पर राज्यपाल संतोष गंगवार की उपस्थिति में व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने श्रुति गंगवार को निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुने जाने पर श्री राम की प्रतिमा भेंट कर उनके पिता की भाँति सदैव व्यापारियों का कवच बनने का प्रण दिलाया। व्यापारियों ने श्रुति गंगवार से कहा कि उनके पिता श्री गंगवार ने अपने आठ बार के सांसद कार्यकाल में निरंतर व्यापारी वर्ग के लिए उनकी ढाल बनकर हमेशा संघर्ष किया है। ट्रेस कार्यालय पर आने वाले हर फरियादी को सम्मान देकर संतुष्ट कर उसकी मदद की है। व्यापारियों ने राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार से फतेहगंज पश्चिमी के विकास संबंधी रेल स्टॉपेजो, रोडवेज बस स्टेशन के सुचारू संचालन, हाइवे से नगर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क के निर्माण, थाना भवन निर्माण आदि के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान यश अग्रवाल,राजेश गुप्ता, कपिल यादव, राहुल चौहान, सौरभ चौहान,संजीव सिंह, दीपक गोयल, प्रशांत अग्रवाल, राहुल गुप्ता, गौतम गोयल, सुबोध पोरवाल, मयंक अग्रवाल, हिमांशु अग्रवाल आदि व्यापारी उपस्थित रहे।

महाराजा अग्रसेन जयंती: कॉलेज में गूंजे वैदिक मंत्र, विश्व शांति और प्रगति के लिए दी गई पूर्णाहुति

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में श्री 1008 महाराजा अग्रसेन जी की 5151 वीं जयंती पूरी श्रद्धा और धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में भव्य हवन-यज्ञ और पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ, जिसमें सभी ने विश्व शांति और संस्था की उन्नति की कामना की। यज्ञ में मुख्य रूप से महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के संरक्षक व कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, समिति अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल (फन सिटी), राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल सहित गिरीश चन्द्र अग्रवाल, संजीव औतार अग्रवाल, सुशील कुमार मित्तल, डॉ. नुपुर गोयल, प्रदीप अग्रवाल, केदारनाथ अग्रवाल और दिनेश अग्रवाल उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान अमेरिका से आईं रितु गर्ग ने भी यज्ञ में आहुति देकर विश्व कल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में चीफ प्रॉक्टर डॉ. विपुल मेहरोत्रा, डॉ. रेशु जौहरी, डॉ. सुमित अग्रवाल, अजीत सिंह और डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा समेत समस्त कॉलेज स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

अमरिया में विशेष रोजगार सृजन दिवस का आयोजन, मजदूरों को मिला रोजगार का संदेश

'काम भी सम्मान भी' अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में श्रमिकों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा, 125 दिन के रोजगार पर रहा जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / अमरिया, पीलीभीत। विकासखंड अमरिया क्षेत्र में 12 अक्टूबर को 'विशेष रोजगार सृजन दिवस' के रूप में मनाया गया। 'रोजगार से सम्मान की ओर, काम भी सम्मान भी' कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने, समय पर मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने और सतत ग्रामीण विकास पर जोर दिया गया।

अभियान के अंतर्गत अमरिया विकासखंड की समस्त ग्राम पंचायतों में श्रमिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और बीवी-जी राम जी योजना के तहत रोजगार प्राप्त करने के लिए सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण मजदूरों को स्थानीय स्तर पर काम उपलब्ध कराने के साथ उनकी आजीविका को मजबूत करना और उन्हें सम्मानजनक रोजगार के अवसरों से जोड़ना रहा। साथ ही 125 दिन के रोजगार के लक्ष्य को लेकर भी जागरूकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत चठिया नियाज अहमद, धुंधरी और माधोपुर में अधिकारियों ने पहुंचकर रोजगार सृजन से जुड़ी गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान श्रमिकों को रोजगार के महत्व, मजदूरी के समयबद्ध भुगतान और सरकारी योजना के तहत उपलब्ध कार्यों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी दिनेश सिंह, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अनवर मलिक, ग्राम पंचायत सचिव वीरेंद्र, अमित दुबे और शिखा सहित ग्राम प्रधान एवं अन्य संबंधित लोग मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने और पात्र श्रमिकों को योजना का लाभ उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस पहल के माध्यम से गांवों में रोजगार सृजन को गति देने, मजदूरों की आय के साधन मजबूत करने और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

दिल्ली जा रहे कांग्रेसियों को फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने टोल प्लाजा पर रोक

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली - कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी तथा यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती डॉक्टर आराधना मिश्रा मोनाजी के आवाहन पर लगभग पांच गाड़ियों का काफिला लेकर दिल्ली जा रहे बरेली के पूर्व जिलाध्यक्ष रामदेव पाण्डेय, पूर्व विधायक श्री नरेंद्र पाल सिंह, जिला सचिव डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह सहित लगभग दो दर्जन कांग्रेस नेताओं को कस्बा फतेहगंज पश्चिमी थाना प्रभारी प्रवीन कुमार, चौकी आदेश कुमार, दरोगा मांगेराम सहित आदि पुलिस कर्मियों ने टोल प्लाजा पर नाकाबंदी करके कांग्रेसियों को जबरिया रोक लिया और सख्त हिदायतें देते हुए आगे बढ़ने से मना कर दिया, उसके बाद कांग्रेसियों ने फतेहगंज पश्चिमी टोल प्लाजा पर सरकार, शासन, प्रशासन, और भारी पुलिस बालों के खिलाफ नारे बाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। और इस दौरान पूर्व विधायक श्री नरेंद्र पाल सिंह और पूर्व जिलाध्यक्ष रामदेव पाण्डेय तथा सहकारिता प्रकोष्ठ के बरेली जिला चेयरमैन रामरतन शर्मा एवं जिला सचिव डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह ने कहा कि वर्तमान जन विरोधी सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजाक बनाने में जुटी हुई है, जन भावनाओं की आवाज को दबाने का असफल प्रयास कर रही है , उक्त नेताओं ने कहा कि श्री राहुल गांधी जी के विराट व्यक्तित्व के आगे सरकार बौनी साबित हो चुकी है और अपनी कुटिल चालों से देश को बर्बाद कर रही है , उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की जागरूक जनता भाजपा के अलोकतांत्रिक मंसूबों को कभी भी सफल नहीं होने देंगे और कांग्रेस पार्टी श्री राहुल गांधी जी के नेतृत्व में रोज़गार परक विकासपरक सरकार बना कर भारत को विश्व पटल पर उच्च स्तरीय दर्जा दिलाएगी। लगभग 3 घंटे तक नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन करने पर कोई बात नहीं बन सकने और अति विलंब हो जाने के कारण सभी उत्साहित कांग्रेसी नेता मन मसोस कर वापस लौटने को मजबूर हो गए। उसके बाद सभी कांग्रेसी अपनी अपनी गाड़ी लेकर अपने घर के लिए रवाना हो गए। दिल्ली जाने वाले लोगों में पूर्व विधायक नरेंद्र पाल सिंह गंगवार, पूर्व जिला अध्यक्ष रामदेव पांडे, जिला सचिव डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, राम रतन शर्मा, प्रमुख समाजसेवी कांग्रेसी नेता अमित सिंह, देवेश गंगवार, अनिल, मनोज गंगवार, होरी लाल, अरविंद गंगवार, वेदपाल कश्यप विशाल, डॉक्टर मुन्ने अंसारी, विक्रांत सिंह रावत, पंडित कुंज बिहारी लाल, आशीष शर्मा, एडवोकेट इफ्तिखार अंसारी, एम इश्तियाक खान, वसीम जावेद अंसारी समेत आदि लोग रहे।

आपदा से तबाह फसलों पर सरकार का मरहम: बरेली में किसानों के खातों में सीधे पहुंचे 61 लाख रुपये

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। अतिवृष्टि, चक्रवात और जलभराव से बर्बाद हुई फसलों के मुआवजे के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में कृषि निवेश अनुदान वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गोरखपुर से 493 करोड़ की प्रदेश स्तरीय राहत राशि जारी करने के साथ ही बरेली में भी वितरण शुरू हुआ।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बताया कि त्वरित सर्वे के बाद करीब 5,000 किसानों के लिए 2 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता तय की गई है। प्रथम चरण में आज 1,837 किसानों के खातों में 61,61,650 की धनराशि डीबीटी (DBT) के जरिए सीधे भेजी गई। डीएम ने सभी एसडीएम को सख्त निर्देश दिए कि कोई भी पात्र किसान मुआवजे से छूटना नहीं चाहिए। वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि सरकार आपदा प्रभावित किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। एडीएम संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इसी वित्तीय वर्ष में मकान क्षति के 353 मामलों में 15.72 लाख, 13 जनहानि में 52 लाख और पशुहानि में 75 हजार का मुआवजा भी दिया जा चुका है। कार्यक्रम में बहेड़ी, नवाबगंज, फरीदपुर, मीरगंज, सदर और आंवला तहसील के 100 से अधिक किसान मौजूद रहे, जिन्होंने संकट की घड़ी में मिली इस त्वरित मदद पर आभार जताया।

गांधी सभागार में आयोजित हुआ कृषि निवेश अनुदान वितरण कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / मा0 मुख्यमंत्री जी के सजीव प्रसारण को उपस्थित अधिकारियों एवं कृषकों ने देखा जनप्रतिनिधियों द्वारा फसल क्षति से प्रभावित कृषकों को वितरित किए डमी चेक मुख्यमंत्री जी द्वारा गोरखपुर से बाढ़, अतिवृष्टि एवं चक्रवात के कारण फसल क्षति से प्रभावित प्रदेश के 09 लाख से अधिक कृषकों को डीबीटी के माध्यम से कुल रू. 439 करोड़ की कृषि निवेश अनुदान राशि हस्तांतरित किए जाने का सजीव प्रसारण गांधी सभागार पीलीभीत में उपस्थित अधिकारियों एवं कृषकों के द्वारा देखा गया। इसी क्रम में जनपद में भी फसल क्षति से प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 दलजीत कौर, विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानंद एवं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रोशनी यादव द्वारा 45 लाभार्थी कृषकों को डमी चेक वितरित किए गए। जनपद के 2669 प्रभावित कृषकों के लगभग 650.0835 हे0 क्षेत्रफल के सापेक्ष रू0 1.54 करोड़ की सहायता राशि वितरित की जा रही है। आपदा के प्रकार के अनुसार फसल क्षति/बाढ़ (भूमि कटान) से प्रभावित तहसील सदर में 765 कृषकों के सापेक्ष रू. 24,77,650 धनराशि, तहसील बीसलपुर में 1179 के सापेक्ष रू. 52,09,568 धनराशि, तहसील पूरनपुर में 434 के सापेक्ष रू. 32,20,151 धनराशि, तहसील कलीनगर में 284 के सापेक्ष रू. 15,84,371 धनराशि व तहसील अमरिया में 07 के सापेक्ष रू. 55,643 धनराशि प्रदान की गई। यह सहायता प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसान परिवारों को राहत प्रदान करने तथा आगामी कृषि गतिविधियों के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने में सहायक होगी। कार्यक्रम के दौरान उप जिलाधिकारी सदर/कलीनगर/अमरिया, उप कृषि निदेशक सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ग्रैंड पैरेंट्स डे में बच्चों ने बड़ों के सम्मान का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नैनीताल रोड स्थित जीआरएम जूनियर विंग में ग्रैंड पैरेंट्स डे समारोह आयोजित किया गया। बच्चों ने दादा-दादी और नाना-नानी के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक राजेश अग्रवाल जौली, निदेशक त्रिजित अग्रवाल, रिद्धि अग्रवाल, प्रधानाचार्य रणवीर सिंह रावत, शील सक्सेना और समन्वयक डॉ. विनीता सक्सेना ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। बच्चों ने 'स्टूस ऑफ लव' और 'मोबाइल मानिया' प्रस्तुतियों के जरिए बड़ों के सम्मान और मोबाइल के अधिक उपयोग से बचने का संदेश दिया। नन्हे संचालकों प्रिशा अग्रवाल, वेदांत मिश्रा, श्रेया पांडे और कौशिकी अग्रवाल ने भी प्रभावी संचालन किया।

शिक्षक एमएलसी चुनाव: ट्रेनिंग में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । उत्तर प्रदेश विधान परिषद शिक्षक निर्वाचन-2026 की तैयारियों को लेकर कैंट स्थित रवीन्द्र नाथ टैगोर इंटर कॉलेज में मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों को चुनाव से जुड़ी हर बारीकी गंभीरता से समझने के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि निष्पक्ष और सुचारु चुनाव कराने में मतदान कर्मियों की अहम भूमिका होती है। प्रशिक्षण के दौरान किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई संशय हो, तो उसे यहीं दूर कर लें ताकि मतदान के दिन कोई अड़चन न आए। सभी कार्मिक हर चरण को समझकर अपनी जिम्मेदारी तय करें। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संतोष कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत कुमार और कॉलेज प्रधानाचार्य वंदना मिश्रा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

पत्नी को तीन तलाक देने के आरोप में पति और सास पर केस दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / अमरिया। थाना अमरिया क्षेत्र के गांव माधवपुर निवासी एक महिला ने अपने पति और सास पर घरेलू हिंसा, गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि 9 अक्टूबर को पति ने उसके साथ मारपीट की और तीन तलाक देकर जान से मारने की धमकी देते हुए घर से निकाल दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति और उसकी मां के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, पीड़िता का निकाह करीब नौ साल पहले गांव के ही उवैज पुत्र अलाउद्दीन के साथ हुआ था। महिला का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति का व्यवहार ठीक नहीं रहा। वह घर के खर्च के लिए पर्याप्त रुपये नहीं देता था और बच्चों की देखभाल भी नहीं करता था। पीड़िता ने सास के कहने पर पति द्वारा आए दिन गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया है। महिला के मुताबिक, बीती 9 अक्टूबर को विवाद के दौरान पति ने उसके साथ मारपीट की और कथित तौर पर तीन तलाक देकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसे घर से निकाल दिया गया। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर पति उवैज और उसकी मां के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी ने जनसुनवाई में सुनीं फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के निर्देश

मुरादाबाद । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद ने सोमवार को जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने समस्याएं और शिकायतें सुनीं। अधिकारियों को उन्होंने संबंधित शिकायतों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि थानों में जनसुनवाई और महिला हेल्प डेस्क को अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से थाने से पुलिस कार्यालय न आना पड़े। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का समाधान थाना स्तर पर संभव है, उनका निस्तारण थाने में ही समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने और पीड़ितों को समय पर राहत दिलाने के निर्देश दिए।

राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार का फतेहगंज पश्चिमी पहुंचने पर जोरदार स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और उनकी सुपुत्री नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार का सोमवार को फतेहगंज पश्चिमी स्थित श्री कृष्णा रेस्टोरेंट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। बरेली से दिल्ली जाते समय यहां पहुंचने पर श्रुति गंगवार को पटका पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी गई। श्रुति गंगवार के निर्विरोध राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने के बाद प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं में उत्साह रहा। पूर्व मंडल अध्यक्ष कुलवीर सिंह के नेतृत्व में हुए स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस दौरान हरिशंकर श्रीवास्तव, सौरभ पाठक, संजीव शर्मा, दिनेश पांडेय, के. सी शर्मा, राहुल यदुवंशी, मुकेश शर्मा, गजेंद्र सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मंजू कोरी, कपिल यादव, सुदीप गुप्ता, डॉ. मुदित प्रताप सिंह, बबलू, कुलदीप गंगवार, पवन पांडेय और जितेंद्र सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सीएम योगी का आज बरेली दौरा , ग्राम प्रहरियों को देंगे मानदेय वृद्धि की सौगात

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंगलवार को बरेली में प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इस दौरान पुलिस लाइन मैदान में पांच सौ ग्राम प्रहरियों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री यहीं से प्रदेश भर के ग्राम प्रहरियों के मानदेय वृद्धि की घोषणा भी करेंगे। कार्यक्रम के लिए बरेली जोन के विभिन्न जिलों से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सुरक्षा में दस अपर पुलिस अधीक्षक, बीस सीओ और पचास इंस्पेक्टर तैनात रहेंगे। इसके साथ ही एक सौ अस्सी उपनिरीक्षक, पंद्रह सौ हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल भी शामिल हैं। दो सौ महिला कांस्टेबिलों को भी सुरक्षा ड्यूटी पर लगाया गया है। पांच ट्रैफिक इंस्पेक्टर, बाईस ट्रैफिक उप निरीक्षक और एक सौ बीस ट्रैफिक हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल भी तैनात रहेंगे। कार्यक्रम के लिए बरेली जोन के विभिन्न जिलों से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सुरक्षा में दस अपर पुलिस अधीक्षक, बीस सीओ और पचास इंस्पेक्टर तैनात रहेंगे। इसके साथ ही एक सौ अस्सी उपनिरीक्षक, पंद्रह सौ हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल भी शामिल हैं। दो सौ महिला कांस्टेबिलों को भी सुरक्षा ड्यूटी पर लगाया गया है। पांच ट्रैफिक इंस्पेक्टर, बाईस ट्रैफिक उप निरीक्षक और एक सौ बीस ट्रैफिक हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल भी तैनात रहेंगे। पुलिस लाइन मैदान में लगा पंडाल कुल पांच पीएसी कंपनियां भी सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करेंगी। एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा ने बताया कि अधिकारियों को सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस लाइन मैदान में पंडाल लगाने का काम रविवार देर रात पूरा हो गया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया। उन्होंने सोमवार तक सभी औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

विद्युत उपकेंद्र पर कार्यरत दो संविदाकर्मियों को हटाने का आरोप, डीएम से शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी - पायंदापुर बिजलीघर में तैनाती का मामला, दूसरे कर्मचारियों को रखने में अनियमितता का आरोप लगाकर जांच की मांग विद्युत विभाग में संविदाकर्मियों की तैनाती और उन्हें हटाने को लेकर विवाद सामने आया है। 33/11 केवी विद्युत वितरण उपकेंद्र पायंदापुर पर कार्यरत दो संविदाकर्मियों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर उन्हें दोबारा कार्य पर रखने और मामले की जांच कराने की मांग की है। शिकायत में विभागीय अधिकारियों पर मनमानी और दूसरे कर्मचारियों को रखने में अनियमितता के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता सतेंद्र कुमार और शशिकांत के अनुसार, वे पिछले करीब छह वर्षों से पायंदापुर बिजलीघर पर लाइनमैन का कार्य कर रहे हैं। आरोप है कि विद्युत वितरण खंड तृतीय मुरादाबाद के अधिशासी अभियंता की ओर से उन्हें हटाने की कार्रवाई की गई। शिकायतकर्ताओं ने पत्र में 31 मई और एक जून 2026 की उपस्थिति तथा ड्यूटी से संबंधित मामलों का भी उल्लेख किया है। उनका दावा है कि वे बिजली की लाइनों के नीचे पेड़ों की छंटाई और अनुरक्षण जैसे कार्य करते रहे हैं। शिकायती पत्र में अधिकारियों पर अपने चहेते कर्मचारियों को रखने तथा इस प्रक्रिया में कथित तौर पर धनराशि के लेनदेन के आरोप भी लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं ने इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने जिलाधिकारी से मामले में हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने तथा उन्हें पायंदापुर बिजलीघर पर पुनः कार्य करने का अवसर दिलाने की मांग की है।

मानसरोवर छात्रावास के आधुनिकीकृत भोजनालय अन्नपूर्णा का किया गया लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फूले रोहिलखंड विश्वविद्यालय के मानसरोवर छात्रावास स्थित भोजनालय अन्नपूर्णा का लोकार्पण 12 अक्टूबर सोमवार को प्रातः 11.00 बजे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य (डॉ.) अनिल कुमार राय के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। यह भोजनालय पूर्व में जर्जर अवस्था में था, जिसके आधुनिकीकरण और उच्चीकरण की आवश्यकता को देखते हुए कुलपति महोदय ने पूर्व में ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने कहा, छात्रों का स्वास्थ्य और स्वच्छता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह नवीनीकृत भोजनालय छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन और बेहतर वातावरण प्रदान करेगा, जिससे वे अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित कर सकें। मानसरोवर छात्रावास के छात्रों के लिए यह एक सौगात है और मैं सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री महेंद्र कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनिल कुमार यादव, प्रोफेसर एस.के. पांडे, प्रोफेसर संजय मिश्रा, प्रो एस एस बेदी, प्रोफेसर विजय बहादुर यादव, प्रोफेसर अमित सिंह, प्रोफेसर जे.एन. मौर्य, प्रोफेसर त्रिलोचन शर्मा सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारीगण एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन मानसरोवर छात्रावास छात्र समिति द्वारा किया गया।

1930 की विरासत, आज का विश्वास: संजय अग्रवाल ने आभूषण कला को दी नई पहचान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। राम कुमार अग्रवाल परिवार की तीसरी पीढ़ी के प्रतिनिधि संजय अग्रवाल वर्ष 1930 से चली आ रही बेजोड़ आभूषण कला और ग्राहकों के अटूट विश्वास को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। महज 16 वर्ष की उम्र में अपने दादाजी, स्वर्गीय राम कुमार अग्रवाल से कारीगरी की बारीकियां सीखने वाले संजय अग्रवाल के लिए आभूषण सिर्फ एक व्यापार नहीं, बल्कि जीवन का जुनून हैं। संजय अग्रवाल का मानना है कि आभूषण केवल सौंदर्य का साधन नहीं, बल्कि जीवन के अनमोल पलों, भावनाओं और रिश्तों का प्रतीक हैं। अपने इसी विनम्र स्वभाव और व्यक्तिगत जुड़ाव के चलते वे हर ग्राहक की पसंद को प्राथमिकता देते हैं। पारंपरिक कला और आधुनिक पसंद के संगम को नया रूप देने के लिए उन्होंने 'विरासत बाय राम कुमार अग्रवाल जेम्स एंड ज्वेल्स' की शुरुआत की है। यह पहल 9 दशकों से अर्जित विश्वास और गुणवत्ता को नए दौर के साथ जोड़ने का सशक्त प्रयास है। संजय अग्रवाल की यह यात्रा साबित करती है कि जब परंपरा को आधुनिक सोच का साथ मिलता है, तो वह आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बन जाती है।

अंतरराष्ट्रीय टखना दिवस मनाया, विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम के प्रति किया जागरूक

समोदिया रामपुर क्यूँ न लिखूँ सच । विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती, पिलखुवा, हापुड़ के ग्रामीण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रुस्तम नगर, रामपुर में अंतरराष्ट्रीय टखना दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को शारीरिक स्वास्थ्य और नियमित व्यायाम के प्रति जागरूक किया गया। वंदना सभा के बाद प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए नियमित टहलना, योग, व्यायाम और साइकिल चलाना आवश्यक है। वर्तमान समय में कम उम्र के लोगों में भी घुटनों, कूल्हों, हाथ-पैर के जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द की समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में लोगों को अपनी दिनचर्या और खानपान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार लेना चाहिए और कैल्शियम सहित आवश्यक पोषक तत्वों की कमी नहीं होने देनी चाहिए। शारीरिक सक्रियता की कमी और छोटी दूरी के लिए भी मोटरसाइकिल जैसे वाहनों पर निर्भर रहने की आदत स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। विद्यार्थियों को नियमित रूप से पैदल चलने और व्यायाम करने की आदत अपनानी चाहिए प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि आसपास के गांवों से आने वाले छात्र संभव हो तो विद्यालय तक पैदल आएं-जाएं। सुबह के समय दो से तीन किलोमीटर टहलना, योग करना और शरीर को सक्रिय रखना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर कई शारीरिक समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। इस अवसर पर ब्रजकिशोर मौर्य, नरोत्तम सिंह, उमेश कुमार, विजेंद्र सिंह, गौरव सिंह, प्रेमपाल, धर्मेंद्र कुमार, सुनील कुमार, दिलीप कुमार, सुनीता रानी मौर्य, अंजलि मौर्य, पूजा टैगोर, विनीता, विद्यालय सेविका कलावती तथा कई अभिभावक उपस्थित रहे।

डाक टिकटों में छिपी है देश के इतिहास और संस्कृति की झलक

पीएमएस पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रदर्शनी का एडीएम सिटी अंकुर श्रीवास्तव ने किया उद्घाटन

मुरादाबाद, क्यूँ न लिखूँ सच । राष्ट्रीय डाक सप्ताह के अंतर्गत सोमवार को फिलाटेली दिवस के अवसर पर पीएमएस पब्लिक स्कूल में डाक टिकट प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें दुर्लभ एवं प्राचीन डाक टिकटों के साथ प्रथम दिवस आवरण प्रदर्शित किए गए। प्रदर्शनी का उद्घाटन अपर जिलाधिकारी (नगर) अंकुर श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया।

प्रदर्शनी में रखे ऐतिहासिक डाक टिकटों का अवलोकन करते हुए अंकुर श्रीवास्तव ने कहा कि डाक टिकट संग्रह केवल शौक नहीं, बल्कि देश के इतिहास, संस्कृति, कला और भौगोलिक विरासत को जानने का महत्वपूर्ण माध्यम है। डाक टिकटों के माध्यम से विद्यार्थियों को ऐतिहासिक घटनाओं, महान व्यक्तित्वों और देश की सांस्कृतिक विविधता के बारे में जानकारी मिलती है। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में ज्ञानार्जन,रचनात्मकता और ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति रुचि बढ़ाने में सहायक हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या निश्मा ने विद्यार्थियों को पत्र लेखन के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पत्र लेखन लंबे समय से संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम रहा है। उन्होंने डाक विभाग की पार्सल, स्पीड पोस्ट, डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, सुकन्या समृद्धि योजना और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक सहित विभिन्न सेवाओं के बारे में बताया। साथ ही विद्यार्थियों को डाक विभाग की सेवाओं एवं बचत योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के अंतर्गत 'एकजुट प्रयास, प्रभावी बदलाव' संदेश के साथ बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर अपर जिलाधिकारी ने सेल्फी लेकर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर डाक टिकटों से जुड़ी ऐतिहासिक एवं रोचक जानकारियां प्राप्त कीं। इस अवसर पर डाक विभाग की ओर से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को उपहार एवं पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ाने के साथ साथ डाक विभाग की गतिविधियों एवं सेवाओं के प्रति उनकी रुचि विकसित करना रहा। कार्यक्रम प्रवर अधीक्षक डाकघर, मुरादाबाद मंडल के मार्गदर्शन में उप डाकघर (सिटी), मुरादाबाद द्वारा आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक मैथ्यू सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी तथा डाक विभाग के अरुण मोहन सांख्यधर, आशुतोष शर्मा, आयुष यज्ञसेनी, शिवम सक्सेना सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

भिंडवारी में रामलीला मंचन शुरू, श्रवण कुमार के जीवन का किया मंचन

बिलारी। क्षेत्र के गांव भिंडवारी में सचिवालय के पास रामलीला मंचन का शुभारंभ हुआ। रामलीला के पहले दिन कलाकारों ने श्रवण कुमार के जीवन प्रसंग का मंचन कर उनके माता-पिता के प्रति समर्पण, सेवा और आज्ञाकारिता को दर्शाया। मंचन के माध्यम से लोगों को माता-पिता की सेवा करने और अपने कर्तव्यों का पालन करने का संदेश दिया गया।

रामलीला के आयोजक चौधरी राजपाल सिंह ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में रामलीला स्थल पर पहुंचकर मंचन देखने और धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रामलीला भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और आदर्श जीवन मूल्यों से जुड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

सेवा एवं संकल्प और मेरे सपनों का भारत विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

समोदिया रामपुर क्यूँ न लिखूँ सच / । विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती, पिलखुवा, हापुड़ के ग्रामीण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रुस्तम नगर, रामपुर में सेवा एवं संकल्प तथा मेरे सपनों का भारत विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्र के कुशल निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पोस्टरों के माध्यम से सेवा भावना, सामाजिक दायित्व और विकसित भारत की अपनी कल्पना को अभिव्यक्त किया। प्रत्येक कक्षा से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रतियोगिता में तनु, आकृति गंगवार, जीना, गुंजन भारती, आर्य मौर्य, फलक, रिमझिम, योगिता, मेघा, शिवानी, शगुन, रिया, सोनाक्षी, माही, इल्म, शशि, मोनिका, बबली और सानिया सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंजलि मौर्य, पूजा टैगोर, ब्रजकिशोर मौर्य और नरोत्तम सिंह सहित विद्यालय के आचार्यों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।

कपिल राज के जन्मदिन पर उमड़ा शुभचिंतकों का सैलाब, राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने दी बधाई

बिलारी नगर निवासी युवा सामाजिक कार्यकर्ता कपिल राज का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक जगत से जुड़ी अनेक हस्तियों, जनप्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं तथा समाजसेवियों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कपिल राज को शुभकामनाएं देने वालों में बिलारी विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान, वरिष्ठ भाजपा नेता नरेश यादव, उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री जुगल किशोर वाल्मीकि, आईटीएम ट्रस्ट कुंदरकी के प्रशासक अधिवक्ता आरिफ पाशा, सपा नेता सौरव यादव, नगर पालिका के लगातार तीन बार सभासद रहे देवेश शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी शरद यादव, हिंदू कॉलेज के छात्र नेता आकाश सैनी, अधिवक्ता कपिल कुमार राजोरिया, रामपुर के अभिषेक बाबू, अधिवक्ता फैसल इरफान, शाहरुख मलिक और समाजसेवी राहुल जैन सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों की ओर से मिले स्नेह और शुभकामनाओं ने इस दिन को विशेष बना दिया।

जयंतीपुर पुलिस की मेहनत रंग लाई, लापता किशोर अमन को तलाश कर परिवार से मिलाया

क्यूँ न लिखूँ सच /युसुफ / मंसूरी कॉलोनी से लापता हुआ था किशोर, परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गंभीरता से की तलाश; सकुशल मिलने पर परिवार ने ली राहत की सांस मुरादाबाद। थाना मझोला क्षेत्र की जयंतीपुर चौकी पुलिस ने तत्परता और मेहनत का परिचय देते हुए वार्ड-69 स्थित मंसूरी कॉलोनी से लापता हुए किशोर अमन को तलाश कर सकुशल उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया। किशोर के मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार, गूलर वाली मस्जिद के पास रहने वाला अमन शुक्रवार शाम करीब सात बजे घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान वह अचानक लापता हो गया। काफी देर तक अमन के घर नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। उन्होंने

आसपास के इलाकों और संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद अमन की मां सुभाना ने पुलिस से शिकायत कर बेटे को तलाशने की गुहार लगाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए जयंतीपुर चौकी पुलिस ने किशोर की तलाश के लिए प्रयास शुरू किए। पुलिस ने मेहनत और सक्रियता के साथ अमन का पता लगाने की कोशिश की और आखिरकार उसे तलाश कर सुरक्षित उसके परिवार के हवाले कर दिया। पुलिस की मेहनत से परिवार के चेहरे पर लौटी मुस्कान लापता किशोर को सकुशल बरामद कर परिवार से मिलाने के इस प्रयास की सराहना की जा रही है। बच्चे के लापता होने से परेशान परिजनों के लिए उसकी सुरक्षित वापसी बड़ी राहत लेकर आई। ऐसे मामलों में पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाती है कि संकट की घड़ी में उनकी मदद के लिए पुलिस मौजूद है।जयंतीपुर चौकी प्रभारी अरुण वर्मा ने रविवार को बताया कि लापता किशोर अमन को तलाश कर उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया गया है।

गन्ने के खेत में मिला नवजात शिशु, रोने की आवाज सुनकर पहुंचे ग्रामीण

बमिया-शंकरपुर मार्ग पर खेत में बच्चा मिलने से मची हलचल, ग्रामीणों ने 112 पर दी सूचना

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता। बमिया-शंकरपुर मार्ग पर सोमवार को गन्ने के खेत में नवजात शिशु मिलने से क्षेत्र में हलचल मच गई। खेत से बच्चे के रोने की आवाज सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। तलाश करने पर गन्ने के खेत में नवजात शिशु रोता हुआ मिला। ग्रामीणों ने उसे सुरक्षित बाहर निकाला और तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी।जानकारी के अनुसार, जितेंद्र, कमलेश, पप्पू, शिव कुमार, किशोर, मातु, सतीश समेत अन्य ग्रामीण गन्ना

और धान काटने के लिए खेतों पर गए थे। इसी दौरान खेत में बनी मजार के पीछे स्थित गन्ने के खेत से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। ग्रामीणों ने आवाज की दिशा में जाकर तलाश की तो वहां नवजात शिशु मिला।ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को अपने कब्जे में लेकर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बच्चे को खेत में किसने और किन परिस्थितियों में छोड़ा, इसका अभी पता नहीं चल सका है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि नवजात को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चा स्वस्थ है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुहम्मदाबाद के पास राठ रोड का किया निरीक्षण, पीडब्ल्यूडी एक्सईएन को फोन कर गुणवत्ता जांच और दोषियों पर कार्रवाई के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ उरई। हालिया बारिश ने सड़कों के निर्माण की गुणवत्ता की पोल खोल दी है। उरई विधानसभा क्षेत्र के राठ रोड पर ग्राम मुहम्मदाबाद के समीप हाल ही में बनी सड़क बारिश के बाद जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क की बदहाल स्थिति देखकर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने रविवार को मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई और मामले की जांच कराकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सड़क की डामर की परत उखड़ी हुई और गिट्टियां बिखरी नजर आईं। कई स्थानों पर सड़क क्षतिग्रस्त होने से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही है। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और राहगीरों ने भी विधायक को सड़क निर्माण में कथित तौर पर घटिया सामग्री के इस्तेमाल और लापरवाही की शिकायत की।विधायक गौरीशंकर वर्मा ने सड़क की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। जनता की सुविधा के लिए बनाई जाने वाली सड़कें यदि थोड़ी सी बारिश में ही उखड़ने लगें, तो यह निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि सरकारी धन का सदुपयोग सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है और निर्माण कार्यों में लापरवाही मिलने पर जवाबदेही तय की जाएगी। एक्सईएन को फोन कर दिए निर्देश विधायक ने मौके से ही पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता - एक्सईएन) से फोन पर बात की। उन्होंने तकनीकी टीम भेजकर- सड़क निर्माण में इस्तेमाल सामग्री, डामर की मोटाई और निर्धारित मानकों की निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए। 'धित ठेकेदार और जिम्मेदार अभियंताओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। विधायक ने सड़क को मानकों के अनुरूप जल्द दुरुस्त कराने पर भी जोर दिया, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। अब विभागीय जांच और कार्रवाई पर क्षेत्रीय लोगों की निगाहें टिकी हैं।

सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा में डीएम सख्त, खराब रैंकिंग वाले विभागों को चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ में जिलाधिकारी अवनीश राय की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला, परियोजना निदेशक डीआरडीए सतेन्द्र सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ सीएम डैशबोर्ड पर माह सितंबर में दर्ज विकास कार्यक्रमों एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की रैंकिंग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कम प्रगति वाले विभागों के प्रति नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाकर निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि माह सितंबर की रैंकिंग में 59 कार्यक्रमों को ए श्रेणी प्राप्त हुई है। वहीं एनआरएलएम आरएफ, सीआईएफ, जननी सुरक्षा योजना का लाभ, सेतुओं का निर्माण, नई सड़कों का निर्माण, ओडीओपी वित्त पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना तथा निर्माण कार्य सीएमआईएस सहित सात कार्यक्रमों को बी श्रेणी प्राप्त हुई। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एवं फैमिली आईडी सहित दो कार्यक्रम सी श्रेणी में रहे। ओडीओपी टूलकिट योजना एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना सहित दो कार्यक्रमों को

डी श्रेणी प्राप्त हुई, जबकि 14 कार्यक्रम एनए श्रेणी में रहे। जिलाधिकारी ने बी, सी एवं डी श्रेणी प्राप्त करने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कम प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने कार्यक्रमों की प्रगति का गहनता से विश्लेषण करें तथा जिन बिंदुओं पर अपेक्षित उपलब्धि नहीं हुई है, उन्हें चिह्नित कर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित रैंकिंग शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप विकास कार्यों की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए सभी अधिकारी नियमित समीक्षा करते हुए अपने विभागों की रैंकिंग में सुधार लाएं और निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करें। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की प्रगति में आने वाली बाधाओं का समय से समाधान करते हुए परियोजनाओं को निर्धारित अवधि में पूरा कराया जाए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यक्रमों की प्रगति में सुधार लाते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। कार्यों में लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब न किया जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। बैठक में संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

थाना गिलौला पुलिस द्वारा नाबालिग को शादी का झांसा देकर भगाने के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार यादव/ पुलिस अधीक्षक श्री राहुल भाटी द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी नियंत्रण एवं अपराधों की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक श्री चन्द्रकेश सिंह एवं क्षेत्राधिकारी इकौना श्री भरत कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक गिलौला श्री राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में उपनिरीक्षक श्री उमेश कुमार वर्मा मय हमराह हेड कांस्टेबल श्री धर्मेन्द्र यादव द्वारा मुकदमा संख्या 187/2026 धारा 87/137(2) बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त सुद्धु पुत्र बाबू निवासी ग्राम तिलकपुर, थाना गिलौला, जनपद श्रावस्ती को दिनांक 12.10.2026 को

तिलकपुर हाईवे के पास से गिरफ्तार किया गया।घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 12.10.2026 को उपनिरीक्षक श्री उमेश कुमार वर्मा मय हमराह हेड कांस्टेबल श्री धर्मेन्द्र यादव द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु सुरागरसी-पतारसी की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि अभियुक्त सुद्धु पुत्र बाबू निवासी ग्राम तिलकपुर, थाना गिलौला, जनपद श्रावस्ती अपने गांव की ओर पैदल जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम तिलकपुर हाईवे के पास पहुंची। वहां मुखबिर ने नहर के पास मंदिर के बगल से जा रहे व्यक्ति की ओर इशारा कर अभियुक्त की पहचान की। पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त को रोककर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना नाम सुद्धु पुत्र बाबू निवासी ग्राम तिलकपुर, थाना गिलौला, जनपद श्रावस्ती बताया। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त को मुकदमा उपरोक्त की धारा 87/137(2) बीएनएस में नियमानुसार दिनांक 12.10.2026 को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी की सूचना अभियुक्त की माता सलमा को दी गई तथा उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया गया।

जिला कारागार का निरीक्षण कर बंदियों की समस्याएं जानीं, विधिक सहायता के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ उरई। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन की सचिव श्रीमती मनाली चन्द्रा ने सोमवार को जिला कारागार उरई का साप्ताहिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों का भ्रमण कर बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं, मुकदमों की पैरवी तथा उपलब्ध विधिक सहायता की जानकारी ली। साथ ही जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सचिव ने ऐसे बंदियों की सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए, जिनकी सक्षम न्यायालय से जमानत मंजूर हो चुकी है, लेकिन जमानतदार उपलब्ध न

होने के कारण वे जेल से रिहा नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे बंदियों की रिहाई के लिए प्रभावी पैरवी की जाए। आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों की जमानत के लिए जिला अधिकार प्राप्त समिति के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें नियमानुसार राहत मिल सके। श्रीमती चन्द्रा ने बंदियों के मुकदमों की पैरवी, विधिक सहायता एवं कानूनी सलाह की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने महिला बंदियों और उनके साथ रह रहे बच्चों की चिकित्सा, खानपान तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी जायजा लिया। जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि जिन बंदियों के पास निजी अधिवक्ता नहीं हैं अथवा न्यायालय में उनकी प्रभावी पैरवी नहीं हो पा रही है, उन्हें नियमानुसार नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। इसके अतिरिक्त उन्होंने मुलाकाती क्षेत्र में परिजनों की सहायता के लिए स्थापित लीगल एड हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया। बंदियों से उनकी समस्याएं पूछीं, हालांकि किसी बंदी ने कोई विशेष समस्या नहीं बताई। निरीक्षण के दौरान जेल के मुख्य द्वार पर मरम्मत कार्य भी चलता मिला। इसके बाद बंदियों के अधिकार, लोक अदालत के लाभ एवं कार्यप्रणाली विषय पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। सचिव श्रीमती मनाली चन्द्रा ने बताया कि संविधान का अनुच्छेद 39ए गरीब और कमजोर वर्गों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने तथा सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करने की व्यवस्था करता है। वहीं असिस्टेंट एलएडीसी अभिषेक पाठक ने संविधान के अनुच्छेद 14 और 22(1) के तहत समानता एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने प्ली बार्गेनिंग की अवधारणा समझाते हुए बताया कि इससे पात्र मामलों में लंबी सुनवाई से बचने और न्यायालय के समय व संसाधनों की बचत में मदद मिल सकती है। इस अवसर पर जेल अधीक्षक प्रशान्त मौर्या, कारापाल प्रदीप कुमार, उपकारापाल अमर सिंह एवं सुखवती तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक शुभम् शुक्ला उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मध्यस्थता अभियान 3.0 के तहत 10 वादों में सुलह, पक्षकार उठाएं लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच / राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के तत्वावधान में 01 अगस्त से 30 दिसंबर 2026 तक राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 3.0 संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य न्यायालयों में लंबित वादों का मध्यस्थता के माध्यम से आपसी सुलह-समझौते के आधार पर अधिकाधिक निस्तारण कराना है। इस अभियान के अंतर्गत अब तक मध्यस्थता केंद्र, बदायूँ में 10 वादों में मध्यस्थता सफल रही है। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ के अध्यक्ष श्री विवेक संगल के निर्देशानुसार अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन), त्वरित न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव श्री अंकित रस्तोगी ने बताया कि अभियान के अंतर्गत वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावा, उपभोक्ता विवाद, संपत्ति बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस तथा शमनीय आपराधिक मामलों सहित अन्य उपयुक्त दीवानी विवादों का आपसी सहमति से समाधान कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आमजन को जागरूक करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ के कार्यालय तथा जनपद की समस्त तहसीलों में तैनात पराविधिक स्वयंसेवकों के माध्यम से बैनर, पोस्टर एवं हैंडबिल वितरित किए जा रहे हैं। प्रचार सामग्री को उपयुक्त स्थानों पर चस्पा कर लोगों को मध्यस्थता के लाभों की जानकारी दी जा रही है, जिससे अधिक से अधिक वादकारी इस सुविधा का लाभ उठा सकें। प्रभारी सचिव श्री अंकित रस्तोगी ने जनपद के समस्त नागरिकों एवं वादकारियों से अपील की कि मध्यस्थता अभियान 3.0 के अंतर्गत मध्यस्थता केंद्र में संदर्भित मामलों में संबंधित पक्षकार उपस्थित होकर आपसी बातचीत और सहमति के आधार पर अपने विवादों का निस्तारण कराएं। मध्यस्थता से विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान संभव है तथा इससे न्यायालयों में लंबित मामलों के निस्तारण में भी सहायता मिलती है।

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक ने सुनी जन समस्याएं संबंधित को शीघ्र निस्तारण हेतु दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार यादव/ श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन के दौरान

आमजन की शिकायतें एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना गया इस दौरान जमीनी मारपीट पारिवारिक विवाद एवं अन्य प्रकार के प्रकरण से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए प्रत्येक प्रकरण पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए जनता दर्शन के माध्यम से पुलिस प्रशासन और आम जन के मध्य संवाद स्थापित कर त्वरित न्याय की भावना को सशक्त करने का प्रयास किया जा रहा है

थाना डिलारी के गुलरिया माफी में आवारा कुत्तों का आतंक, तीन बच्चो समेत दो लोगों को काटा , 6 वर्षीय बच्ची गंभीर, अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी थाना क्षेत्र के गांव गुलरिया माफी में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। रविवार शाम कुत्तों ने हमला कर तीन बच्चो समेत दो लोगों को घायल कर दिया। घायलों में छह वर्षीय बच्ची अनबिया की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल मुरादाबाद में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार,

रविवार शाम को अपने घर के बाहर खेल रही 6 वर्षीय बच्ची अनविया पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया हमले में आवारा कुत्ते ने बच्ची अनविया के कान और गाल और हाथ पर बुरी तरह काट कर जख्मी कर दिया , वही गांव में ही मस्जिद से नमाज पढ़कर निकल रहे करीब 40 वर्षीय इदरीश पर कुत्तों ने हमला कर दिया। इसके अलावा चार वर्षीय अमान अहमद और दो अन्य लोगो को भी कुत्तों ने काटकर घायल कर दिया। बच्ची अनबिया को गंभीर चोटें आने के कारण जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। गांव में लगातार आवारा कुत्तों के हमलों से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। अब लोगों को बच्चों की सुरक्षा की चिंता सता रही है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से जल्द से जल्द आवारा कुत्तों को पकड़वाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

Important to know: Why are some medications recommended to be taken on an empty stomach, while others after meals?

Some medications are recommended to be taken on an empty stomach, while others after meals. This is due to factors such as their absorption, effectiveness, and impact on the stomach. Therefore, always take medications according to your doctor or pharmacist's instructions. When we visit a doctor for any illness, they evaluate your physical condition along with necessary reports and prescribe medications accordingly. Have you ever noticed that prescriptions often include a code for when to take the medication? As important as taking medication is for recovery, the correct timing is equally crucial. Some medications are recommended to be taken in the morning on an empty stomach, while others are to be taken after breakfast or lunch. The big question is: the medicine is meant to be absorbed into the body, so what difference does it make whether it's taken before or after meals? If you have this question in your mind, let's find out more. It's important to take medications correctly - Health experts say that while medications may appear similar, food can reduce the effectiveness of some medications, while others can cause stomach irritation or other problems if taken on an empty stomach. Therefore, it's equally important to consider the timing of medication. Some medications are not properly absorbed in the presence of food. This means that the full amount of the medication doesn't reach the bloodstream, and its effectiveness can be reduced. Therefore, it's recommended to take these medications on an empty stomach. Levothyroxine, a medication used to treat thyroid hormone deficiency, is usually recommended on an empty stomach. Food, coffee, and some calcium or iron medications can affect its absorption. What are the benefits of taking medications after meals? Some medications can cause stomach irritation, pain, nausea, or other problems. Taking them with or after food can help reduce these problems. For example, some painkillers, such as ibuprofen, can increase the risk of stomach irritation and ulcers. Taking them with food can reduce stomach discomfort. Food may also be necessary for the absorption of some medications. Fat-soluble medications or supplements, such as vitamin D, are absorbed better when food contains fat. What effect does food have on medications? Did you know that food can affect the absorption and effectiveness of medications? Some medications are reduced by food, while others are increased. Avoiding certain foods is also necessary for some medications. For example, taking calcium and iron supplements with levothyroxine can affect its absorption. Taking milk or calcium with some antibiotics can also reduce the absorption of the medication. What should you keep in mind when taking medication? Doctors say that medications are only beneficial when taken in the correct dosage and at the correct time. When taking medication, follow the instructions on the prescription. Unless otherwise directed, take the medication with water. Taking medications with water is often considered safest. If you miss a dose, do not increase your dose to make up for it. If you experience vomiting, stomach pain, or other discomfort after taking your medication, consult your doctor immediately.

Health Talk: What are lymph nodes, and why do they swell? Do you know?

Lymph nodes are part of the body's immune system and help fight infection. Colds, throat, or dental infections can cause them to swell. However, any lump that grows, hardens, or persists for a long time is important to investigate. You may have heard about swollen lymph nodes many times during discussions about illness. But do you know what lymph nodes are and what swelling could mean? Lymph nodes, also known as "lymph glands," are a vital part of the body's immune system. They are small, bean-shaped organs found throughout the body. An adult's body can have approximately 400 to 800 lymph nodes. They are spread throughout the body, except for the brain and spinal cord. Health experts say that feeling a small lump in the neck, swelling in the armpit, or pain under the jaw are very common problems. Often, these lumps are caused by enlarged lymph nodes. Lymph nodes help filter germs, abnormal cells, and other unwanted substances from a fluid called lymph. When the body is fighting an infection, immune cells in the lymph nodes become activated, and they may increase in size. Swelling of the lymph nodes is often a sign of a common infection. It's important to know about lymph nodes first. Lymph nodes are small, bean-shaped structures that are part of the lymphatic system. This system includes lymph vessels, lymph nodes, and several other organs. Lymph is a clear fluid that carries excess fluid and immune-related substances from tissues. Lymph nodes help filter this fluid. They contain immune cells called lymphocytes, which play a role in recognizing and fighting infection-causing agents. Lymph nodes are found in several groups throughout the body. Lymph nodes can also be found in the neck, under the jaw, around the ears, armpits, and groin. Lymph nodes are also present in the chest and abdomen. Why do lymph nodes swell? Infection is considered the most common cause of swollen lymph nodes. When the body fights a virus or bacteria, immune cells in the lymph nodes become active and their numbers can increase. This causes the nodes to increase in size. Lymph nodes in the neck can swell during a cold, throat infection, tonsil problem, or tooth or gum infection. Swelling in the armpit or groin can also occur due to a skin infection. Sometimes, even after the infection clears, it can take a few weeks for the lymph nodes to return to normal size. Swelling of the lymph nodes can be serious – in some cases, enlarged lymph nodes may be associated with lymphoma or other cancers. Some cancers can also spread to lymph nodes from other parts of the body. However, it is important to understand that most cases of swollen lymph nodes are due to non-cancerous causes, such as infection. If a lump in the body is continuously growing or feels hard, and does not move easily, then it is important to consult a doctor and get it checked. It is also important to be cautious if a lump persists without any obvious infection. If along with this there is unintentional weight loss, excessive sweating at night or fever persists for a long time, then in these problems also, definitely seek the advice of a doctor in time. What to do in case of swelling in lymph nodes If the lymph nodes are swollen due to cold or throat infection, then they gradually become smaller on their own after the infection is cured. If the lump is growing rapidly, there is difficulty in breathing or swallowing, or the condition is worsening with high fever, then seek medical help immediately.

Eye Health: Does drinking too much water cause dry eyes? If you experience redness and irritation in your eyes, be careful.

Dryness in the eyes isn't just caused by a lack of water. Prolonged use of mobile phones or computers, frequent blinking, exposure to direct air from an AC or fan, smoke, dust, and improper use of contact lenses can all contribute to dry eyes. Do you often experience burning, stinging, and redness in your eyes? Don't go outside in dust or smoke, yet are these problems bothering you? Health experts say that burning, stinging, gritty, or the feeling of something in the eyes has become a common problem these days. Everyone from children to adults and the elderly is experiencing this problem. Sometimes these symptoms can be a sign of dry eyes. Doctors say that the rapidly increasing use of mobile phones and computers has significantly increased eye-related problems. Because the term "dryness" is used in the name of this problem, people often assume it's caused by a lack of water in the body. However, lack of water alone isn't the only cause of dryness. Let's explore why dry eyes are increasing and how to prevent them. Health experts explain that some of our daily habits can reduce the natural moisture in our eyes, but most people are unaware of this. A thin layer of tears is essential for maintaining moisture in the eyes. When this layer dries quickly or tears are not produced sufficiently, dry eyes can occur. Doctors also note that increased screen time, infrequent blinking, direct exposure to air conditioners or fans, smoke, dust, and improper use of contact lenses can also cause dry eyes. Excessive use of mobile phones and computers can be a cause. Staring at screens for extended periods of time has been considered a major cause of dry eye problems. Doctors say that while watching mobile phones or computers, our focus on the screen reduces blinking. Blinking helps spread a thin layer of tears across the surface of the eyes, keeping them moist. When blinking less frequently, this moisture can quickly break down, leading to eye irritation, grittiness, fatigue, stinging, and temporary blurred vision. Air conditioner, fan, and smoke can also cause dry eye symptoms. Dry eye symptoms aren't just caused by increased screen time. Direct exposure to air from an air conditioner or fan can also exacerbate the problem. This air can quickly dry out moisture from the eye surface. Prolonged exposure to a room with very low humidity can also aggravate dry eye symptoms. Similarly, smoke, dust, and air pollution can cause eye irritation. People living in such environments may complain of redness, burning, stinging, or watering of the eyes. Therefore, avoid direct exposure to fans or air conditioners. Minimizing exposure to dust and smoke is also important for eye health. Be careful if you wear contact lenses: People who wear contact lenses can also suffer from dry eyes. Wearing lenses for extended periods can affect the normal flow of tears and oxygen to the eye surface. Wearing lenses for longer than necessary and not cleaning them properly can be harmful to the eyes. The likelihood of dry eyes can also increase with age. Certain medications, hormonal changes, and certain eye-related problems can also contribute to this. When should you be cautious? Doctors say that occasional dryness is common, but if it occurs frequently or persists for a long time, it's important to find out the cause. Symptoms like severe eye pain, redness, difficulty seeing light, or blurred vision should not be ignored. Some people can find relief from dry eyes simply by changing their habits, while others may require prescription medication. Never self-administer eye drops.

Sometimes taunts about her looks, sometimes questions about her personal life; this is how Bollywood's 'Umrao Jaan' shone amidst controversies.

There are many faces in Hindi cinema whose radiance seems to grow stronger rather than diminish with time. Rekha is one such star. Wearing a golden sari, a large bindi on her forehead, deep eyes, and a smile on her face, Rekha's style still captivates people. But her life story is not limited to beauty and fame. Rekha, who once entered films out of compulsion, faced difficulties with the Hindi language and criticism about her looks. Then, through her hard work and acting, she established such a reputation that stories about her films and personal life remain in the headlines even today. On the actress's birthday, let's share some interesting anecdotes from her life, some of which were shared by Rekha herself. Why did Rekha enter films? - The most interesting story in Rekha's life relates to the beginning of her film career. Although she is considered one of Bollywood's leading actresses today, she never wanted to be an actress from childhood. Due to her family's financial needs, she was forced into films at a young age. In an old interview, Rekha stated that she never wanted to be an actress; she was forced into it. She stated that she had been working since the age of three and had come to Bombay at the age of 13. How did Rekha get her break in Hindi films? Speaking to the BBC in 1986, Rekha herself recounted that two brothers, Kuljeet Pal and Shatrujeet Pal, came to Madras to find a new heroine for their film. "They asked me if I knew Hindi, and I said no. Then they asked me if I wanted to work in Hindi films, and I said no." The two brothers then told the actress, "Okay, we'll come and sign you tomorrow." According to Rekha, it was her destiny to enter Hindi films. She was once busy shooting nearly 40 films. An incident from Rekha's career illustrates her work ethic. In an interview with Filmfare, she recounted her extremely busy schedule during the late 1970s and early 1980s. She would work up to three shifts a day at Annapurna Studios in Hyderabad. According to Rekha, there was a time when nearly 40 of her films were in various stages of production. The constant shooting forced her to rest on set. She explained that she would take naps in her Volkswagen car and even change her makeup there when necessary. She did not receive formal Urdu training for "Umrao Jaan." Among Rekha's most memorable films, "Umrao Jaan," released in 1981, comes first. Directed by Muzaffar Ali, she played the role of a poetess and a courtesan in this film. Her performance, dancing, and dialogue delivery impressed audiences. Interestingly, in a 1986 interview with the BBC, Rekha revealed that she hadn't taken any Urdu training for the film. She also stated that she didn't believe she had done anything special that warranted a National Film Award. Rekha received the National Film Award for Best Actress for this role. Even today, "Umrao Jaan" is considered one of the most important films of her career. Linked to Vinod Khanna: Early in her career in 1972, during the filming of the film "Ek Bechara," Rekha was also linked with Jeetendra. Shobha Kapoor was Jeetendra's girlfriend at the time, but she was mostly abroad for work. Jeetendra, however, was unwilling to leave Shobha for Rekha. According to Yasser Usman's book, "Rekha: The Untold Story," during a film shoot, Jeetendra told his colleague, "Rekha is my best time pass." Rekha overheard this, and the two broke up. Did Rekha marry Vinod Mehra? In 1973, Rekha was linked to actor Vinod Mehra. Their affair was widely discussed. Vinod Mehra had already been married twice and divorced both. Yasir Usman, in his book, stated that Rekha and Vinod Mehra had married in Kolkata, but when Vinod brought the actress home, his mother insulted Rekha and threw her out of the house. This ended their relationship. In an interview with Simi Garewal, Rekha denied ever having married Vinod Mehra and called him her well-wisher. Besides Jeetendra and Vinod Mehra, Rekha was also linked to actors like Naveen Nischol, Kiran Kumar, and Raj Babbar. After her engagement with Amitabh Bachchan and the discussion of films, Big B entered Rekha's life. The pairing of Rekha and Amitabh Bachchan has been one of the most popular couples in Hindi cinema. They worked together in 11 films, including "Do Anjaane," "Muqaddar Ka Sikandar," "Mr. Natwarlal," and "Silsila." Audiences loved their chemistry in these films, especially "Silsila"—a film that continues to be discussed even today. Amitabh Bachchan served as an influencer for Rekha. In 1976, Amitabh Bachchan and Rekha collaborated on the film "Do Anjaane." At the time, Big B was a superstar and married. Meanwhile, Rekha was searching for a better role in her career. During the shooting, Amitabh Bachchan met Amitabh Bachchan. Amitabh helped Rekha immensely. In an interview, Rekha said, "The industry treated me very badly in the beginning. People would make fun of my dark complexion, obesity, and South Indian accent. Later, I transformed myself physically, learned to speak Hindi, and started getting big films. When I was cast opposite Amitabh in 'Do Anjaane,' it was hard for me to believe. I couldn't even stand in front of him properly. He came into my life like an influencer and made many dramatic changes. I had never seen anyone like him before." When rumors of an affair between Amitabh and Rekha spread, rumors of an affair between the two were rife while they were working on films. Although neither of them ever confirmed these reports, Rekha has often praised Amitabh on numerous occasions. In an interview with Simi Garewal, Rekha said, "Of course I love him. Take all the love in the world and add a little more to it, that's how I feel for that person." I see him at award functions, and that's enough for me. It's not necessary for me to talk to him; he completely dominates my mind. He's very special to me. Even if he doesn't say anything to me or look at me, I'll still be happy." Rekha arrived at Rishi Kapoor and Neetu Singh's wedding wearing sindoor and a mangalsutra. Everyone present was astonished. All the cameras shifted from Rishi and Neetu to Rekha. There was widespread discussion about whom the actress had married. When asked about this, she said that she was shooting a film and had come straight from there. After her husband's death, people made many allegations: In 1990, Rekha married Delhi-based industrialist Mukesh Agarwal. Rekha and Mukesh were introduced by fashion designer Bina Ramani. Mukesh committed suicide just a few months after their marriage, leaving behind a note that read, "Don't blame anyone." Renowned film critic and journalist Bhavana Somaiya wrote in an article that after her husband's death, many people called Rekha a witch and a murderer. Some even accused the actress of practicing black magic. Rekha's film career: Rekha began her film career as a child artist and entered Hindi cinema in 1970 with the film "Sawan Bhadon." Initially known for her beauty and acting, Rekha established herself with several outstanding films in the 1970s and 1980s. Her performances in films like "Ghar," "Muqaddar Ka Sikandar," "Mr. Natwarlal," "Umrao Jaan," "Silsila," "Khoobsurat," and "Khoon Bhari Maang" were highly praised. After the 1990s, Rekha significantly reduced her film work, but she didn't completely retire from acting. She continued to appear intermittently. Her notable later films include "Koi Mil Gaya" (2003), "Krrish" (2006), "Om Shanti Om" (2007), "Super Nani" (2014), and "Shamitabh" (2015). Her last Hindi film release was "Yamla Pagla Deewana Phir Se" (2018), in which she appeared in a special role. Since then, she has not been regularly active in Hindi films. Some unheard-of facts about Rekha's life: Rekha is the daughter of Tamil actor Gemini Ganesan and Telugu actress Pushpavalli. Pushpavalli gave birth to Rekha while they were in a relationship. Rekha was the first actress in the industry to take gym and swimming training. Rekha also does her own styling. Rekha starred in the maximum number of films in her career, 26, with Jeetendra. She worked in 11 films with Amitabh Bachchan. Rekha dubbed for Sridevi in ??Amitabh Bachchan's film "Akhri Raasta" and for Jayasutha and Soundarya in "Suryavansham." In 1986, 48 pieces of expensive jewelry were stolen from Rekha's home. She collected the jewelry from the court after 17 years. Rekha has a large and expensive collection of gold-colored Kanjeevaram and chiffon sarees. Rekha has also done playback singing in films like "Khubsoorat," "Agar Tum Na Hote," and "Ek Naya Rishta." Rekha worked in 10 or more films every year for five consecutive years (from 1977 to 1981). The actress currently lives in "Basera," a bungalow worth ?100 crore (approximately $1.2 billion) on Bandstand. Her current net worth is ?332 crore (approximately $3.32 billion).

Rise and Fall: "Chatting with ex-boyfriend..." Tej Pratap makes shocking revelations about Aishwarya Rai Bachchan

On the reality show "Rise and Fall," politician Tej Pratap Yadav spoke openly about his personal life and his ongoing divorce from Aishwarya Rai. Find out what he said. A video from the show "Rise and Fall" is rapidly going viral on social media. In it, Tej Pratap is seen discussing the problems in his marriage and relationship. He also accuses Aishwarya of chatting with her ex-boyfriend. "I didn't feel like going home." Tej Pratap explained that after their marriage, he and Aishwarya often had fights. He said, "We had a fight. We were newly married. We had fights for about three months. We had different temperaments. Our marriage was under pressure. At that time, I was the Health Minister of Bihar. I didn't feel like going home. Sometimes I would stay at a friend's house, sometimes I would go somewhere else." She wouldn't even let me leave the house early in the morning." Tej Pratap further claimed that Aishwarya would shout at him. He said he would pray at 6 or 7 a.m., but Aishwarya didn't like his prayers. According to him, Aishwarya would forbid him from praying and would party until 4 or 5 a.m. Aishwarya chatting with a boy... Tej Pratap recounted another incident related to his marriage on the show. He claimed that one day, when he returned home from the assembly and went to his room, Aishwarya was chatting with a boy. According to Tej Pratap, the boy was Aishwarya's ex-boyfriend. He alleged that Aishwarya was sending him heartfelt messages. Tej Pratap said he witnessed all this from a distance. He also said that he would take videos during their fights. According to him, these videos were later presented as evidence in court. He said, "One good thing about me was that whenever we had a fight, I would make a video of it. It became evidence for us. I presented it in court. Boys are not always at fault, girls can be wrong too.' Fights still affect him, Tej Pratap said that the fights in his relationship still affect him. He said that whenever there is a fight or people talk loudly, he starts remembering those times and gets upset. Tej Pratap and Aishwarya Rai got married in May 2018. However, problems started arising in their relationship just a few months after marriage and Tej Pratap filed for divorce. Currently, the divorce case is pending in the court. After this, their separation became a major family dispute.